मनेन्द्रगढ़

06 अगस्त 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

नोवाक जोकोविच ने

@ पेज 7

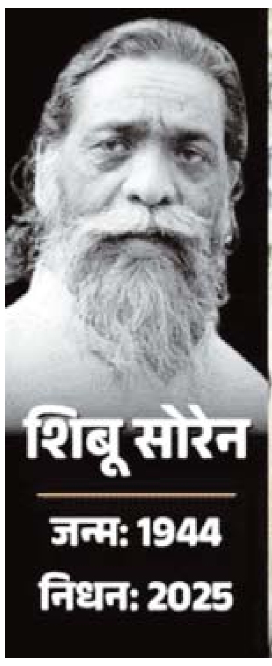

झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार

छोटे बेटे बसंत सोरेन ने दी मुखाग्नि, अमर रहे के लगे नारे; विधानसभा में दी गई श्रद्धांजलि

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व CM शिबू सोरेन का मंगलवार को उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) में अंतिम संस्कार किया गया। उनके छोटे बेटे बसंत सोरेन ने मुखाग्नि। इस दौरान लोगों ने शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगाए। रांची से रामगढ़ जाने के दौरान कई जगह लोगों ने श्रद्धांजलि दी। सड़क किनारे समर्थक खड़े थे और शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगा रहे थे।

इससे पहले मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में लोगों ने मोरहाबादी स्थित उनके आवास पर गुरुजी के अंतिम दर्शन किए और श्रद्धांजलि दी।शिबू सोरेन के करीबियों में गिने जाने वाले पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इसके साथ ही पूर्णिया सांसद पप्पू यादव, आप सांसद संजय सिंह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रांची पहुंचे।

फिर पार्थिव शरीर उनके आवास से विधानसभा पहुंचा। जहां राज्यपाल संतोष गंगवार, स्पीकर रवींद्र महतो समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्णिया सांसद ने पूर्व ष्टरू को आदिवासी अस्मिता और संघर्ष का प्रतीक बताते हुए ङ्ग पर लिखा- शिबू सोरेन जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे, गोवा और मेघालय के गवर्नर भी रह चुके

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने दोपहर 1:20 बजे अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। 11 मई को हालत, ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सत्यपाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे। इन्हीं के कार्यकाल के दौरान ही आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाया गया था। सत्यपाल का जन्म 24 जुलाई 1946 को हुआ था। वे 2018 से 2019 तक जम्मू और कश्मीर के 10वें और अंतिम राज्यपाल रहे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने गोवा और मेघालय के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। वे 1974-77 में उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। 1980-86 और 1986-89 में राज्यसभा और 1989-91 में 9वीं लोकसभा के सदस्य रहे। बिहार के राज्यपाल भी रहे।

अमृतसर व गुरदासपुर में एनआईए के छापे

चंडीगढ़, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कबूतरबाजी के मामलों की जांच के चलते मंगलवार को अमृतसर तथा गुरदासपुर में छापे मारे हैं। छापे की कार्रवाई कई घंटे तक चली। इस दौरान एनआईए के अधिकारियों ने कई अहम दस्तावेज तथा लैपटॉप आदि अपने कब्जे में लिया है।

डंकी रूट से अमेरिका पहुंचे हरियाणा व पंजाब के कई युवाओं को वापस भेजा गया था। इन युवाओं की वापसी के बाद से ही एनआईए इस मामले में जांच कर रही है। एनआईए की टीमों ने आज अमृतसर शहर के शास्त्री नगर और गुरदासपुर के फतेहगढ़ चूडियां इलाके में एक घर पर छापा मारा। एनआईए के अधिकारियों की एक टीम ने अमृतसर में विशाल शर्मा नाम के युवक के घर पर छापा मारा। विशाल रंजीत एवेन्यू में इमीग्रेशन कारोबार करता है। इसके अलावा एनआईए की।

पं.प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में धक्का-मुक्की, 2 की मौत

एमपी के सीहोर में कांवड़ यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे श्रद्धालु

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को भारी भीड़ के चलते धक्का-मुक्की में दो लोगों की मौत हो गई है। एक के गंभीर घायल होने की सूचना है। बुधवार को पं. प्रदीप मिश्रा कांवड़ यात्रा निकालने वाले हैं। इसी में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भीड़ ज्यादा होने के चलते दो लोग नीचे गिर गए, जिससे उनकी दबने से मौत हो गई।

भीड़ बढ़ने पर अफरा-तफरी मची :6 अगस्त को कुबेरेश्वर धाम से चितावलिया हेमा गांव तक कांवड़ यात्रा होनी है। इससे एक दिन पहले ही भारी संख्या में श्रद्धालु कुबेरेश्वर धाम पहुंचने लगे। भंडारे, ठहराव और दर्शन के लिए जगह कम पड़ने लगी, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। कई स्थानों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

4 हजार श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था :प्रशासन और आयोजकों ने दावा किया था कि 4 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था नमक चौराहा, राधेश्याम कॉलोनी, बजरंग अखाड़ा, अटल पार्क, शास्त्री स्कूल, लुर्द माता स्कूल और सीवन नदी के पास की गई थी। पूरे सावन मास प्रसादी वितरण की तैयारी भी की गई थी, लेकिन एक दिन पहले ही भीड़ का दबाव बढ़ने से व्यवस्था टूट गई।

लाल किले में डमी बम डिटेक्ट नहीं कर पाए पुलिसकर्मी 7 सस्पेंड

स्पेशल टीम सादे कपड़ों में थी, स्वतंत्रता दिवस को लेकर मॉक-ड्रिल किया था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी एक डमी बम का पता नहीं लगा पाए। इसके बाद कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। घटना 2 अगस्त की है। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम को लेकर पुलिस रोजाना अभ्यास करती है। स्पेशल सेल की एक टीम शनिवार को सादे कपड़ों में मॉक ड्रिल के लिए पहुंची थी। वे अपने साथ एक नकली बम लेकर लाल किले में दाखिल हुए। उस समय, लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी बम डिटेक्ट नहीं कर सके। पुलिसकर्मियों को सुरक्षा में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित होता है। इसमें पीएम मोदी देश को संबोधित करते हैं।

2 अगस्त से 16 अगस्त तक नो फ्लाई जोन दिल्ली पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले सुरक्षा उपायों के तहत 2 अगस्त से 16 अगस्त तक लाल किले को नो फ्लाई जोन घोषित किया है। बयान के मुताबिक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग-ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से संचालित एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के एयरक्राफ्ट उड़ाने पर रोक रहेगी।

बम मिलने पर स्निफर डॉग्स भौंकेंगे नहीं, पूंछ हिलाएंगे :इस बार दिल्ली पुलिस डॉग स्क्वॉड ने भी स्वतंत्रता दिवस के लिए स्निफर डॉग्स को खास ट्रेनिंग दी है। 27 जुलाई को स्क्वॉड प्रभारी सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र डोगरा ने बताया था कि कुत्तों को अब विस्फोटकों का पता चलने पर चुपचाप प्रतिक्रिया करने, जैसे अपनी पूंछ हिलाना या अपने हैंडलर की ओर देखने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। क्योंकि कुछ प्रकार के विस्फोटक भौंकने जैसी तेज आवाज से भी एक्टिव हो सकते हैं।दिल्ली पुलिस डॉग स्क्वॉड के पास फिलहाल 64 कुत्ते हैं - 58 विस्फोटकों का पता लगाने के लिए, 3 नशीले पदार्थों का पता लगाने के लिए और 3 अपराधियों का पता लगाने के लिए ट्रेंड हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा बनाए रखने में मदद के लिए इन कुत्तों को लाल किला और चांदनी चौक क्षेत्र समेत विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया जाता है।

पीएम 12वीं बार देश को संबोधित करेंगे, मुख्य भाषण के लिए मांगे सुझाव : परंपरा के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के लाल किले पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। यह लगातार 12वीं बार है, जब पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस पर भाषण देंगे। इसके साथ ही वे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे प्रधानमंत्री बनेंगे।

इस बार पीएम ने मुख्य भाषण के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने एक × पोस्ट में लिखा है कि आप इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस भाषण में किन विषयों या विचारों को प्रतिबिंबित होते देखना चाहेंगे, नमो एप या माय त्रश्ङ्क पर बताएं।

पिछले साल, भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी का भाषण विकसित भारत - 2047 की थीम पर आधारित था, जिसका उद्देश्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सरकारी प्रयासों को गति देना था।

सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी पर रार

खरगे बोले- क्या हम आतंकवादी हैं? नड्डा का जवाब- मुझसे ट्यूशन ले लीजिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी के मुद्दे पर आज राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल सभापति ने इस बात पर आपत्ति जताई कि जब खरगे ने उन्हें सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती को लेकर पत्र लिखा था तो उसे मीडिया में क्यों जारी किया गया। सभापति ने इसे सदन के नियमों का उल्लंघन करार दिया। इस पर खरगे ने कहा कि वह सभी को पत्र के बारे में जानकारी नहीं दे सकते थे तो उन्होंने इसे लेकर मीडिया में बयान जारी किया। चर्चा के दौरान जेपी नड्डा ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए और नसीहत देते हुए कहा कि विपक्ष को उनसे ट्यूशन लेने की जरूरत है।

वेल में प्रदर्शन सदन के नियमों के खिलाफ :दरअसल राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खरगे के पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पत्र को मीडिया में जारी करके संसद के जनता को जानकारी देने के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद उपसभापति ने कई घटनाओं का जिक्र किया, जब सत्ता पक्ष के लोग सदन में बोल रहे थे और विपक्षी सांसदों ने उनकी सीटों के पास आकर उनके संबोधन बाधित करने का प्रयास किया। सभापति ने कहा कि क्या यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है? उन्होंने कहा कि सदस्यों द्वारा वेल में प्रदर्शन गलत है और यह सदन की परंपरा के खिलाफ है क्योंकि वेल की एक पवित्रता होती है।

खरगे ने पूछा- क्या हम आतंकवादी हैं?

सभापति के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब सदन के नेता महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होते हैं तो उस समय सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती गलत है। उन्होंने उदाहरण दिया कि जब अरुण जेटली राज्यसभा में और सुषमा स्वराज लोकसभा में विपक्ष के नेता थे, तो उन्होंने कहा था कि व्यवधान डालना भी लोकतंत्र को मजबूत करने का तरीका है। हम इसी तरह लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करते रहेंगे और ये हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है।

एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री का सम्मान

मोदी बोले- ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करवाना विपक्ष की गलती,उन्होंने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में मंगलवार को NDA संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें NDA सांसदों ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर पीएम नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम को हार पहनाया। सांसदों ने हर-हर महादेव, भारत माता की जय के नारे लगाए। पीएम मोदी ने सांसदों को संबोधित भी किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम ने कहा, संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी ही फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, बिहार में वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। देश की जनता सब देख रही है। पीएम ने अमित शाह की भी तारीफ की और कहा कि वे अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं। NDA सांसदों की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पास किया गया। इसमें कहा गया कि सैन्य शक्ति और मजबूत नेतृत्व के जरिए इंसाफ हुआ। भारत आतंकवाद को न तो भूलता है और न ही कभी माफ करता है। मानसून सत्र शुरू होने के बाद NDA सांसदों की पहली बैठक पीएम मोदी संसदीय दल की बैठक में नए सांसदों से भी मिले। बैठक में भाजपा और उसके सभी सहयोगी दलों के सभी सांसदों का शामिल होना अनिवार्य था। सांसदों को NDA सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर, 11 साल,11 बड़े फैसले शीर्षक वाली किताब दी गई।

फिलीपींस के राष्ट्रपति से मिले पीएम मोदी, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को भारत दौरे पर आएं फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर से मुलाकात की। साथ ही गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच दोस्ताना और गहरे रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत हुई।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत और फिलीपींस के बीच सभ्यता, इतिहास और लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर आधारित पुराने रिश्ते हैं। दोनों नेताओं के बीच हो रही बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों की दोस्ती और आपसी सहयोग को और मजबूत करना है। इस मुलाकात से उम्मीद की जा रही है कि भारत और फिलीपींस के संबंध और भी मजबूत होंगे और कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा।

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 10 अगस्त से बिहार में शुरू होने वाली मतदाता अधिकार यात्रा स्थगित

पटना,एजेंसी। बिहार में 10 अगस्त से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की शुरू होने वाली मतदाता अधिकार यात्रा स्थगित कर दी गयी है। इस यात्रा को दो चरण में सासाराम से शुरू होकर विभिन्न जिलों से होकर पटना पहुंचना था, जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी भी शामिल होने वाली थीं लेकिन किसी कारणवश मतदाता अधिकार यात्रा टल गई है। अब 15 अगस्त के बाद इस यात्रा की शुरुआत होगी। यात्रा के स्थगित होने की जानकारी राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से दी गई है। राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने बताया कि राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय के पत्रांक 168 दिनांक 04 अगस्त 2025 द्वारा पत्र में नेता राहुल गांधी और बिहार विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का वोट अधिकार यात्रा कार्यक्रम की सूचना निर्गत की गई थी। लेकिन अपरिहार्य कारणों से उपरोक्त यात्रा कार्यक्रम की तिथि में बदलाव हुआ है, इसलिए नई तिथि की घोषणा तक इस सूचना को निरस्त माना जाए। आगामी कार्यक्रम की सूचना दी जायेगी।

यूपी के 17 जिलों में बाढ़, 300+ मकान ढहे

- 16 मौतें, 11 जिलों के स्कूल बंद ; 7 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। यूपी-बिहार में मानसून की बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। बिहार के मुंगेर, बक्सर, पूर्णिया, भोजपुर, पटना समेत कई जिलों में सैकड़ों गांव डूब गए हैं। बिहार के पूर्णिया में 38 साल बाद रिकॉर्ड बारिश हुई। यहां रविवार से सोमवार तक 270.6mm बारिश हुई। इससे पहले 1987 में 294.9mm बारिश हुई थी। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, वाराणसी समेत 17 जिलों के 402 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 343 मकान बारिश के चलते ढह चुके हैं। पिछले 24 घंटे में बाढ़-बारिश से जुड़े हादसों में 16 लोगों की मौत हो गई है। जौनपुर, चंदौली, सुल्तानपुर, कानपुर, पीलीभीत और सोनभद्र में 5 अगस्त, वाराणसी, हमीरपुर और लखीमपुर में 6 अगस्त तक, जबकि प्रयागराज और मिर्जापुर में 7 अगस्त तक स्कूलों में छुट्टी बढ़ा दी गई है। हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश से 310 सड़कें बंद हैं। शिमला में सोमवार को बारिश के बाद 3 घरों पर लैंडस्लाइड हो गया। लोगों ने एक दिन पहले ही घर छोड़ा था। कल रात में तेज बारिश के बाद चंडीगढ़-मनाली फोरलेन भी बंद है। उत्तराखंड के हल्द्वानी में नदी में बहने से 3 लोगों की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने मंगलवार को केरल में भारी बारिश का रेड अलर्ट और हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब समेत 19 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मध्य प्रदेश में बाढ़ से बीते 2 महीने में 275 मौतें: मध्यप्रदेश की बात करें तो बाढ़ के दौरान हुए हादसों में 275 लोगों की जान जा चुकी है। मानसून की आमद के बाद से जून और जुलाई के ये आंकड़े सरकार ने खुद विधानसभा में बताए हैं। 1657 पशुओं की भी मौत हुई है। बारिश के चलते ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (ऋक्रङ्ख) की 254 से अधिक सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। 293 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए जबकि 3 हजार 687 मकानों में आंशिक नुकसान हुआ है। कुल 3980 मकानों को नुकसान पहुंचा है।

फार्म हाउस का गेट किया बंद तो मार दी गोली प्रॉपर्टी डीलर को इस बात से आया गुस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के फतेहपुरबेरी स्थित डेरा गांव में रविवार देर रात महज गेट बंद करने को लेकर हुए विवाद में फॉर्म हाउस के केयरटेकर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त बरेली, यूपी निवासी संतलाल (37) के रूप में हुई है। संतलाल फॉर्म हाउस की देखरेख करने के अलावा यहां माली का काम भी करता था।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी पीयूष यादव (19) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। दरअसल पीयूष और उसके साथ कुछ अन्य लोग संतलाल के फॉर्म हाउस में हुक्का पीने के लिए आते थे। रविवार को रात अधिक होने की वजह से संतलाल ने सभी को जाने और गेट बंद करने की बात की। इस बात पर पीयूष आग बबूला हो गया। वह संतलाल से गाली-गलौज कर वहां से चला गया। कुछ देर बाद आरोपी पिस्टल के साथ वहां पहुंचा। आते ही उसने संतलाल के सीने में गोली मार दी। बाद में वह फरार हो गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर देर रात ही आरोपी को डेरा गांव से दबोच लिया। फतेहपुरबेरी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दक्षिण जिला के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मूलरूप से बरेली का रहने वाला संतलाल श्मशान घाट के नजदीक, बाबा मोहल्ला में मौजूद फॉर्म हाउस में पिछले करीब 15 साल से नौकरी कर रहा था। वह केयर टेकर के अलावा माली का काम भी करता था। इसके परिवार में पत्नी सुदेवी के अलावा चार बेटी हैं।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि देर रात करीब 2.00 बजे फतेहपुरबेरी थाना पुलिस को खबर मिली कि डेरा गांव में कुछ महिलाएं जोर-जोर से रो रही हैं। टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि संतलाल नामक केयरटेकर को पीयूष यादव नामक प्रॉपर्टी डीलर ने गोली मार दी है। अस्पताल ले जाने पर उसको मृत घोषित कर दिया गया।

हत्या की खबर मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। परिजनों के बयान पर हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला गया। बाद में आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई। देर रात उसे दबोच लिया गया।

गेट बंद करने को लेकर हुआ पूरा विवाद.: छानबीन हुई तो पता चला कि संतलाल फॉर्म हाउस पर रात के समय हुक्का जलाता था। आसपास के कई लोग वहां आकर हुक्का पीते थे। रविवार रात को पीयूष भी वहीं पर था। इस बीच रात अधिक होने पर संतलाल ने गेट बंद करने की बात कहकर सभी को जाने के लिए कहा। इस बात पर पीयूष भड़क गया।

उस समय वह चला गया। देर रात करीब 12 बजे वह वापस और गेट पर खड़ा होकर संतलाल से गाली-गलौज करने लगा। जैसे ही संतलाल उसके पास पहुंचा आरोपी ने बेहद नजदीक से उसको गोली मार दी। बाद में वह फरार हो गया। संतलाल की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वह ही परिवार में कमाने वाला था। वहीं आरोपी छतरपुर इलाके में रियल स्टेट का काम करता था। पुलिस उसे गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि आरोपी हथियार कहां से लाया। इस बात भी पता किया जा रहा है कि वारदात में पीयूष के अलावा कोई और तो शामिल नहीं था। मामले की छानबीन जारी है।

स्कूलों में हनुमान चालीसा का पाठ अनिवार्य करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा के मानसून सत्र में भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मरवाह ने स्कूलों में हनुमान चालीसा का पाठ अनिवार्य करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हर सुबह प्रार्थना के समय हनुमान चालीसा का पाठ कराया जाना चाहिए जिससे बच्चों में आत्मबल और मानसिक ऊर्जा का संचार होगा। मरवाह ने तर्क दिया कि हनुमान चालीसा एक आध्यात्मिक और प्रेरणादायक पाठ है घटनास्थल के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि मरने वाला व्यक्ति भीख मांगकर और कूडा बीनकर गुजर बसर करता था। वहीं दूसरी घटना में मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन जो न केवल बच्चों को संस्कार देता है बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और साहस भी विकसित करता है। उन्होंने कहा कि जब देश के कई हिस्सों में योग, ध्यान और नैतिक शिक्षा को स्कूली दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा रहा है तब दिल्ली में भी धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ाव जरूरी है। इस विषय पर उन्होंने शिक्षा मंत्री आशीष सूद का ध्यान आकृष्ट किया और सरकार से ठोस कदम उठाने की अपील की।

दिल्ली में लाल किले के पास 5 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किले के आसपास जांच के दौरान पांच संदिग्ध युवकों को सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि ये सभी 20 से 25 वर्ष की आयु के युवक बांग्लादेश के नागरिक हैं। यह पिछले 3-4 महीने पहले अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर चुके थे।

उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया के अनुसार जांच में : इन युवकों के पास न तो लाल किले में प्रवेश का वैध पास था और न ही कोई वैध भारतीय दस्तावेज। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में मजदूरी का काम कर रहे हैं और घूमने की मंशा से लाल किला देखने आए थे। उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि 15 जुलाई से लाल किला आम जनता के लिए बंद कर दिया गया है। जांच के दौरान उनके पास बांग्लादेशी पहचान से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं। हालांकि पूछताछ में अब तक कोई आपराधिक या संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई है। पुलिस ने इनके पकड़े जाने की सूचना विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को दे दी है। इनको डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है, जल्द ही उनको वापस इनके देश भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस प्रोग्राम के लिए सबसे कम कटऑफ 43 फीसदी भगिनी निवेदिता कॉलेज की रही है। अदिति महाविद्यालय में इस प्रोग्राम के लिए 46 फीसदी पर दाखिला हो जाएगा। बीए प्रोग्राम (इकोनॉमिक्स-राजनीति विज्ञान) कॉम्बिनेशन में सामान्य के लिए दाखिले पांच कॉलेज सेंटर पर बंद हो गए हैं जिनमें हंसराज, मिरांडा, डीडीयू, मैत्रेयी व माता सुंदरी कॉलेज शामिल हैं। अन्य कॉलेज सेंटरों पर दाखिले की संभावना बनी हुई है। एनसीवेब निदेशक का बयान एनसीवेब की निदेशक प्रो गीता भट्ट ने कहा कि कटऑफ में विभिन्न प्रोग्राम में औसतन दो से तीन फीसदी की कमी की गई है। अभी भी करीब 9 हजार सीटें खाली हैं इस कारण से दाखिले की संभावना बनी हुई है। उम्मीद है कि दूसरी कटऑफ में ज्यादा छात्राएं दाखिला ले लें। दरअसल हर साल एनसीवेब में एसटी और ओबीसी की सीटें खाली रह जाती हैं। दरअसल इन श्रेणियों से छात्राएं दाखिला कम ही लेती हैं। अब इस कटऑफ के आधार पर छात्राएं 9 अगस्त की शाम पांच बजे तक फीस का भुगतान कर सकती हैं। इसके बाद 11 अगस्त को तीसरी कटऑफ जारी की जाएगी। इस कटऑफ में छात्राओं को दाखिला लेने के लिए दो दिन मिलेंगे।

निजी स्कूलों की मनमानी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने नोकझोंक व आम आदमी पार्टी के हंगामे व बहिष्कार के बीच बहुप्रतीक्षित दिल्ली विद्यालय शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक-2025 पेश किया। इसे भाजपा सरकार ने निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर लगाम लगाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। मंत्री सूद ने कहा कि यह विधेयक दिल्ली के करोड़ों बच्चों और लाखों अभिभावकों को राहत देने वाला ऐतिहासिक प्रयास है। वहीं विधेयक को लेकर विपक्ष ने विरोध जताया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दो टूक कहा कि अगर सरकार ने इसमें संशोधन नहीं किया तो आप सड़कों पर उतरेगी और कोर्ट का रुख भी करेगी। मंत्री सूद ने सदन में अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि वह एक ऐसे मसले का समाधान लेकर आए हैं जिसे दशकों तक नजरअंदाज किया गया। शिक्षा पैसा कमाने का जरिया नहीं राष्ट्र निर्माण का माध्यम होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह विधेयक सिर्फ प्रशासनिक दस्तावेज नहीं बल्कि डॉ. मुखर्जी के विजन और मातृभूमि के भविष्य के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मंत्री ने कहा कि यह विधेयक बॉटम-अप अप्रोच पर आधारित है जिसमें पहली बार अभिभावकों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी दी गई है।

विधेयक सोचा समझा फर्जीवाड़ा - आतिशी : नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विधेयक को सोचा समझा फर्जीवाड़ा करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने अप्रैल से जुलाई तक बिल जानबूझकर टालकर प्राइवेट स्कूलों को फीस बढ़ाने का समय दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल में न तो फीस वापसी का प्रावधान है न ही स्कूलों के खातों के ऑडिट की व्यवस्था। उन्होंने बिल को सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने और फाइनल होने तक पिछली साल की फीस को फ्रीज करने की मांग की। विधानसभा में इस मुद्दे को लेकर तीखी नोकझोंक हुई और आम आदमी पार्टी ने विधेयक को पैरेंट्स विरोधी बताते हुए सदन से बहिष्कार किया।

विधेयक के प्रमुख प्रावधान : दिल्ली के सभी निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों पर कानून लागू होगा। स्कूलों को तीन वर्षों की फीस प्रस्तावित कर पहले ही दाखिल करनी होगी जिसे केवल एक बार संशोधित किया जा सकेगा। तीन स्तरों पर रेगुलेटरी व अपील कमेटियों का गठन किया जाएगा। मुनाफाखोरी रोकने के लिए सख्त मापदंड तय किए गए हैं और वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा। गैरकानूनी वृद्धि पर एक से 10 लाख रुपये जुर्माना। छात्र को अपमानित करने या नाम काटने पर 50,000 रुपये प्रति छात्र दंड।

सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत, चार साल चली जांच में नहीं मिले सीबीआई को भ्रष्टाचार के सबूत; कोर्ट ने बंद किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पेशेवरों की अनियमित नियुक्ति और असंबंधित परियोजना निधि से भुगतान के आरोपों से संबंधित एक मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की तरफ से दायर क्लोजर रिपोर्ट को राउज एवेन्यू कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन और अन्य के खिलाफ था। विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने कहा कि कई वर्षों की जांच के बावजूद आरोपितों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम या किसी अन्य अपराध के तहत आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई सुबूत नहीं मिला।

कोर्ट ने कहा कि इतने लंबे समय बाद भी जांच एजेंसी को कोई सुबूत नहीं मिला ऐसे में आगे की कार्यवाही किसी काम की नहीं है। भ्रष्टाचार के प्रावधानों को लागू करने के लिए कुछ सामग्री तो होनी ही चाहिए। केवल कर्तव्य की उपेक्षा या कर्तव्य का अनुचित प्रयोग ही अधिनियम के तहत उल्लंघन नहीं माना जा सकता। दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की एक शिकायत के आधार पर सत्येंद्र जैन और अन्य लोक निर्माण विभाग अधिकारियों के खिलाफ 2018 में प्राथमिकी की गई थी। आरोप है कि जैन और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने भर्ती और वित्तीय नियमों का उल्लंघन करते हुए सलाहकारों की एक क्रिएटिव टीम की अनियमित रूप से नियुक्ति की गई थी। यह भी आरोप लगाया गया था कि भर्ती प्रक्रिया में मानक भर्ती प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया गया था और वित्त विभाग की मंजूरी के बिना बारापुला फेज-तीन जैसी असंबंधित परियोजनाओं पर खर्च कर दिया गया था। लगभग चार वर्षों तक मामले की जांच करने के बाद सीबीआई को कोई आपराधिक मामला या व्यक्तिगत लाभ, रिश्वतखोरी के सुबूत नहीं मिले। सीबीआई की रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि यदि किसी के खिलाफ कोई नई सामग्री प्राप्त होती है, तो सीबीआई मामले की आगे जांच करने व उचित कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगी।

नई एक्साइज और ईवी नीति के लिए बनाईं दो उच्चस्तरीय समितियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में पारदर्शिता, सामाजिक सुरक्षा और जनहित को केंद्र में रखते हुए एक्साइज नीति और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) नीति के पुनर्गठन के लिए दो उच्चस्तरीय समितियों के गठन की घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह कदम जनविश्वास, पारदर्शी शासन और विकास की दिशा में उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चर्चा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि हम भारतीय सेना का सम्मान करते हैं लेकिन हमें यह जानने का अधिकार है कि जब सैन्य जीत संभव थी तब राजनीतिक नेतृत्व ने क्यों कदम पीछे खींचे। देश के नागरिकों को जवाब चाहिए कि क्या भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में आकर यह निर्णय लिया। आतिशी ने यह भी कहा कि भाजपा को हर सवाल को राष्ट्रविरोध की तरह देखना बंद करना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना गुनाह नहीं है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आखिर आम आदमी पार्टी को ऑपरेशन सिंदूर से समस्या क्या है। यह सेना और नारी गरिमा की रक्षा का ऐतिहासिक क्षण था। राजनीतिक आरोपों की आड़ में सेना की छवि को कमजोर नहीं किया जा सकता। इस बीच भाजपा विधायक मारवाह ने आप विधायकों की टोका-टाकी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हम गुंडागर्दी भी करेंगे और पिटाई भी करेंगे। इसको लेकर भी सदन में तीखी प्रतिक्रिया हुई। अध्यक्ष ने इस बयान को कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया। वहीं भाजपा विधायकों ने कहा कि भारत ने घर में घुसकर मारा है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह भारतीय सेना की रणनीति और साहस का प्रमाण है।नई एक्साइज नीति के निर्माण के लिए गठित समिति की अध्यक्षता वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समिति दिल्ली में शराब व्यापार को पारदर्शी, सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी और राजस्व उत्पादक बनाने की दिशा में कार्य करेगी। आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से लाई गई विवादित नीति को रद्द किए जाने के बाद पुरानी नीति के अनुसार शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं। पूर्ववर्ती आप सरकार की नई एक्साइज नीति को शराब घोटाले और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते वापस लेना पड़ा था और तब से अब तक कोई नई नीति नहीं लाई जा सकी थी। अब भाजपा सरकार द्वारा गठित यह समिति एक नई और पारदर्शी नीति तैयार करेगी जिसमें अवैध व्यापार पर सख्त रोक, राजस्व वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा को प्रमुख लक्ष्य बनाया जाएगा। इसी प्रकार ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देने और दिल्ली को ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से मंत्री आशीष सूद की अध्यक्षता में ईवी नीति समिति का गठन किया गया है। यह समिति ईवी सेक्टर में निवेश, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, सब्सिडी नीति और सार्वजनिक भागीदारी जैसे बिंदुओं पर काम करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार दिल्लीवासियों के प्रति समर्पित है। जनहित में निर्णय लेना, पारदर्शिता लाना और दिल्ली को भविष्य के लिए तैयार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने बांग्लादेश की जनता और दलों को किया आगाह

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने देश की जनता और सभी राजनीतिक दलों को आगाह किया है कि वह मतभेद को भुला दें। उन्होंने कहा कि अगर मतभेद को भुलाया नहीं गया तो फासीवाद की वापसी का अवसर पैदा होगा। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने आज अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में यह बातें कही हैं।

द डेली स्टार की खबर के अनुसार, तारिक रहमान ने कहा कि देश में तब तक सच्चा लोकतंत्र स्थापित नहीं होगा जब तक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करके सरकार बनाने में सक्षम नहीं हो जाते। अंतरिम सरकार ऐसी सरकार स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है जो जनता के प्रति जवाबदेह हो। रहमान ने कहा कि स्थानीय सरकार से लेकर संसद तक जब तक जनता सीधे अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को वोट नहीं दे सकती तब तक उसके पास सरकार बनाने या बदलने की शक्ति नहीं होगी। इसके बिना देश में सच्चा लोकतंत्र स्थापित नहीं हो सकता।

रहमान ने कहा, आइए हम यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें कि लोग रोजमर्रा के शासन, नीति-निर्माण और प्रशासन में अपने लोकतांत्रिक और राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कर सकें। तभी हम लोगों को राजनीतिक रूप से सशक्त बना सकें। अगर हम ऐसा करने में विफल रहे, तो कुछ भी मजबूत या टिकाऊ नहीं होगा। तारिक ने चेतावनी दी कि मतभेदों या राजनीतिक विवादों की वजह से फासीवाद का पुनरुत्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फासीवाद मुक्त बांग्लादेश में राजनीतिक दलों में स्वाभाविक रूप से मुद्दों पर आधारित मतभेद होंगे। बावजूद इसके बीएनपी अपनी विचारधारा और लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, बांग्लादेश की स्थापना का पहला और महत्वपूर्ण राजनीतिक उद्देश्य एक ऐसा राज्य और सरकार बनाना था जो जनता के प्रति सीधे जवाबदेह हो। वर्तमान अंतरिम सरकार ऐसी ही व्यवस्था बनाने के लिए काम कर रही है। रहमान ने कहा, हम उन लोगों के ऋणी हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

टेक्सास के 50 से ज्यादा डेमोक्रेट्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

ऑस्टिन (टेक्सास), एजेंसी। रिपब्लिकन हाउस स्पीकर डस्टिन बरोज ने सोमवार को 50 से ज्यादा डेमोक्रेट्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। सदन में इनके अनुपस्थित न रहने से कोरम पूरा नहीं हो सका। इसलिए कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी की संख्या बढ़ाने का मंसूबा पूरा नहीं हो सका। ऑस्टिन अमेरिकन-स्टेट्समैन की खबर के अनुसार, बरोज ने सदन में कहा, वे राज्य छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने मतदाताओं से भी मुंह मोड़ लिया जिनका प्रतिनिधित्व करने की उन्होंने शपथ ली थी। वे राज्य के बाहर के राजनेताओं और कार्यकर्ताओं के दबाव में अपनी जिम्मेदारी से पीछे भाग रहे हैं।

इसके तुरंत बाद गवर्नर ग्रेग एबॉट ने टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया कि ऐसे किसी भी सदस्य का पता लगाएं, उसे गिरफ्तार करें और सदन के कक्ष में वापस लाएं। यह वारंट कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सदन में अनुपस्थित पाए गए सदस्यों को वापस बुलाने के लिए बाध्य करते हैं। बावजूद इसके कोरम भंग करने पर उनकी आपराधिक गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। यह वारंट अधिकारियों को राज्य से बाहर जाकर उन दर्जनों डेमोक्रेट्स को वापस लाने का अधिकार नहीं देते जो सदन को आवश्यक कोरम से वंचित करने के लिए इलिनॉय (न्यूयॉर्क) और मैसाचुसेट्स चले गए।

सदन के 62 डेमोक्रेटिक सदस्यों में से केवल छह ही सात मिनट तक सत्र में उपस्थित रहे। लुबॉक से रिपब्लिकन उम्मीदवार बरोज ने सदन को बताया कि जल्द ही मतदान करवा कर पुनर्वितरण योजना को मंजूरी दिलाई जाएगी। यही बात उन्होंने संक्षिप्त संवाददाता सम्मेलन में दोहराई। टेक्सास के रिपब्लिकन ने नया कांग्रेसी नक्शा प्रस्तावित किया है। यह डलास, ऑस्टिन और ह्यूस्टन में डेमोक्रेटिक झुकाव वाले एक जिले को हटाकर और दक्षिण टेक्सास के दो जिलों में अतिरिक्त रिपब्लिकन मतदाताओं को जोड़कर रिपब्लिकन पार्टी की पांच और जीतने योग्य सीटें जोड़ देगा। यहां वर्तमान में डेमोक्रेट हेनरी क्यूएलर और विसेंट गोंजालेज का कब्जा है। उल्लेखनीय है कि 2021 में भी डेमोक्रेट्स कोरम का उल्लंघन कर चुके हैं।

चिड़ियाघर में बाघिन अदिति ने छह शावकों को दिया जन्म

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में बाघों का कुनबा बढ़ गया है। सोमवार सुबह बाघों के परिवार में छह नए शावकों का जन्म हुआ। इससे वन्यजीव प्रेमियों और चिड़ियाघर प्रशासन के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। चिड़ियाघर प्रशासन इसे बाघ संरक्षण और प्रजनन कार्यक्रम की दिशा में बड़ी उपलब्धि मान रहा है।

लगभग ढाई से तीन साल बाद बाघिन अदिति ने छह स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। सभी शावक फिलहाल मां की निगरानी में अलग सुरक्षित बाड़े में रखे गए हैं जहां उन्हें विशेष देखभाल और पोषण दिया जा रहा है। पशु चिकित्सकों की एक विशेष टीम 24 घंटे उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। इससे पहले बाघिन महागौरी ने भी चार शावकों को जन्म दिया था लेकिन उचित देखभाल के अभाव में उसके तीन शावक जीवित नहीं रह पाए थे। इस बार प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए विशेष प्रबंध किए हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना बाघों की घटती आबादी के बीच एक सुखद संकेत है। चिड़ियाघर बीते वर्षों से बाघ संरक्षण और प्रजनन कार्यक्रम पर गंभीरता से काम कर रहा है और यह सफलता उन्हीं सतत प्रयासों का परिणाम है। अधिकारियों के मुताबिक, यदि सब कुछ सामान्य रहा तो आने वाले कुछ महीनों में इन शावकों को आम जनता के दर्शन के लिए प्रदर्शित किया जा सकता है। सोमवार सुबह 9 से 11 बजे के बीच सफेद बालों वाले बाघ विजय जूनियर की 7-8 साल की सामान्य रंग की बाघिन अदिति ने 6 शावकों को जन्म दिया। अदिति के यह पहले शावक हैं। उसे 2021 में नागपुर के गोरेवाड़ा रेस्क्यू सेंटर से लाया गया था। अभी बाघिन शावकों की देखभाल कर रही है। सीसीटीवी के जरिये 24 घंटे लगातार निगरानी की जा रही है और बाड़े में शिफ्टों में समर्पित कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

सिविल सर्विस विधेयक में गड़बड़ी करने के लिए संसदीय समिति के अध्यक्ष और सचिव ही दोषी पाए गए

काठमांडू, एजेंसी। सरकारी कर्मचारियों को अवकाश या इस्तीफे के दो साल तक किसी भी राजनीतिक या संवैधानिक नियुक्तियों में रोक लगाने संबंधी विधेयक में गड़बड़ी को लेकर गठित संसदीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट में संसदीय समिति के अध्यक्ष और सचिव को इसके लिए दोषी ठहराया गया है। इस जांच समिति के संयोजक जीवन परियार के अनुसार, रिपोर्ट में राज्य मामलों और सुशासन समिति के अध्यक्ष रामहरि खतिवडा और समिति के सचिव सूरज कुमार दुरा को कूलिंग पीरियड के प्रावधान को रद्द करने वाली भाषा डालने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। दो दिन और दो रात की व्यापक चर्चाओं के बाद, समिति ने आम सहमति बनाते हुए मंगलवार सुबह स्पीकर देवराज घिमिरे को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। परियार ने पुष्टि की कि रामहरि खतिवडा और सचिव दुरा की पहचान प्राथमिक जिम्मेदार व्यक्तियों के रूप में की गई है।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस प्रक्रिया में प्रत्यक्ष और विषयगत रूप से शामिल अन्य लोग भी जिम्मेदार हैं। संसद में पंजीकृत संघीय सिविल सेवा विधेयक के मूल मसौदे में सेवानिवृत्त सचिवों और संयुक्त सचिवों के लिए दो साल की कूलिंग ऑफ पीरियड की अनिवार्यता से बाहर रख दिए जाने के बाद यह विवाद शुरू हुआ था, जबकि सत्ता साझेदार दलों ने यह सहमति की थी कि यह नियम सभी स्तर के सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जाए।

हालांकि, जब प्रतिनिधि सभा द्वारा विधेयक पारित किया गया, तो सेवानिवृत्त सिविल सेवकों को कूलिंग ऑफ पीरियड से छूट देते हुए एक नया खंड - धारा 82 (4) डाला गया, जिसमें सेवानिवृत्त सचिवों और संयुक्त सचिव को छूट दिए जाने का प्रावधान रखा हुआ था। इसके अतिरिक्त, सरकार की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता वाले वाक्यांश को हटा दिया गया।

संसद की राज्य व्यवस्था समिति में सहमति और पारित होने के बाद इसे हूबहू प्रतिनिधि सभा में पेश करना था। जब प्रतिनिधि सभा से यह बहुमत से पारित होकर राष्ट्रीय सभा में भेजा गया तब इसकी पोल खुली। राष्ट्रीय सभा में भेजे गए विधेयक में व्यापक फेरबदल किया जा चुका था। इस पर विवाद के कारण परिवर्तन के लिए कौन जिम्मेदार था, इसकी जांच करने के लिए संसदीय जांच समिति का गठन हुआ। रविवार की सुबह से सोमवार की रात से मंगलवार की सुबह तक लगातार चर्चाओं के बावजूद, समिति शुरू में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में विफल रही। समिति को जांच के लिए 21 दिन का समय दिया गया था, जिसमें 7 दिन का विस्तार किया गया था। मूल समय सीमा रविवार आधी रात को समाप्त हो गई।

आदिवासी महिलाओं ने सार्वजनिक शौचालय की मांग की

कहा- खुले में शौच जाने पर बनाए जाते हैं वीडियो, जिला पंचायत सीईओ से शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की ग्राम पंचायत बम्हनी की आदिवासी महिलाएं मंगलवार को बड़ी संख्या में महिलाएं जिला पंचायत जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ अंशुमान राज को बताया कि शौचालय न होने के कारण उन्हें आज भी खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान कुछ असामाजिक तत्व उनके वीडियो बनाते हैं। वे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। इससे उनकी अस्मिता और सम्मान को ठेस पहुंचती है। ऐसे में आदिवासी समाज की महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान दोनों खतरे में हैं।

महिला राजकली अहिरवार ने बताया कि सरकारी योजना के तहत शौचालय बनाए गए थे। लेकिन वे या तो सिर्फ कागजों पर हैं या फिर इतनी घटिया गुणवत्ता के हैं कि पूरी तरह ध्वस्त हो चुके हैं। कई घरों में आज भी शौचालय नहीं हैं। इससे स्पष्ट होता है कि पूर्व सरपंच-सचिव ने इस योजना में बड़ी गड़बड़ी की है।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि जो परिवार स्वयं शौचालय बनवाना चाहते हैं, उन्हें सरकार द्वारा राशि दी जाएगी। उन्होंने सार्वजनिक शौचालय की मांग पर आश्वासन दिया कि जल्द ही बम्हनी गांव में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवाया जाएगा। गांव की जांच से पता चला है कि वहां पहले ही 500 शौचालय बन चुके हैं। लेकिन उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। सभी शौचालय खराब हालत में हैं।

6 लोगों ने युवक को पीटा, सिर में 8 टांके, आपस में हुई थी गाली-गलौज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के गोपद बनास तहसील के ग्राम भीतरी में एक युवक को बहन-बेटी के सम्मान की बात करना भारी पड़ गया। मंगलवार दोपहर 2:00 बजे की घटना में शिवकुमार सिंह को 6 लोगों ने मिलकर बेरहमी से पीट दिया।

घटना के समय शिवकुमार अपने घर के पास गोमती में बैठे थे। तभी गांव के ही बबलू साहू, राजेंद्र साहू, मुन्ना साकेत और तीन अन्य लोग आपस में गाली-गलौज कर रहे थे। शिवकुमार ने उन्हें शालीनता से अनुरोध किया कि घर के पास बहन-बेटी हैं, कृपया गाली न दें।

इस अनुरोध पर आरोपियों ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा - हम गाली देंगे, जो करना है कर लो। इसके बाद सभी ने मिलकर शिवकुमार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

हमले के दौरान शिवकुमार के सिर पर गंभीर वार किया गया। इससे वह बेहोश हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल सीधी पहुंचाया। वहां उनके सिर पर आठ टांके लगाए गए हैं और इलाज जारी है।

अस्पताल में पदस्थ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि घायल व्यक्ति को बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं। अस्पताल चौकी प्रभारी आरपी मांझी के अनुसार, घायल के होश में आने का इंतजार किया जा रहा है। उसके बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी और जांच शुरू होगी।

जर्जर स्कूल में पढ़ रहे 182 स्टूडेंट्स, बच्चों के परिजन को डर; कहीं भवन गिर न जाए

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के शहर से महज 4 किलोमीटर दूर स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूल भरुआ जर्जर हो चुका है। इस स्कूल में 182 छात्र-छात्राएं पढ़ने को मजबूर हैं। स्कूल का भवन इतना खराब है कि छत से पानी टपकता है और आए दिन भवन का कोई न कोई हिस्सा गिरता रहता है। बारिश के दिनों में कक्षाओं में पानी भर जाता है, जिससे स्कूल को बंद करना पड़ता है।

तीन साल पहले मरम्मत के लिए लिखा था पत्र: स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने 3 साल पहले जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी को पत्राचार करके मरम्मत की आवश्यकता बताई थी। लेकिन अब तक न तो मरम्मत हुई और न ही विभाग की ओर से कोई प्रयास किया गया। स्कूल के एक छात्र कृष्ण कुमार ने बताया कि उसे स्कूल आने से डर लगता है। उनके घर वाले भी चिंतित रहते हैं कि कहीं बिल्डिंग गिर न जाए। इस मामले पर जब जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मुझे अभी जानकारी नहीं है। मामले की जांच होगी और पता लगाया जाएगा कि स्कूल की मरम्मत क्यों नहीं की गई।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 184 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 184 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित हितग्राही को सूचित करे। अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एस पी मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

एक बॉयफ्रेंड के लिए दो छात्राओं में मारपीट, पुलिस तीनों को ले गई थाने

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र में आने वाले विंध्य नगर रोड के बेलौजी इलाके में दो लड़कियों और एक लड़के ने मिलकर हंगामा किया। इस घटना को देखने के लिए सड़क पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस तीनों को थाने ले गई। मारपीट के दौरान काफी देर तक सड़क जाम रही।

घटना मंगलवार शाम करीब 4 बजे की है। बैढ़न थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि ये तीनों कॉलेज के छात्र-छात्राएं हैं। दोनों लड़कियों के प्रेम संबंध एक ही लड़के से थे या दोनों लड़कियां उसे पसंद करती थीं, इसी बात को लेकर इनके बीच झगड़ा शुरू हुआ।

थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। यदि कोई पक्ष शिकायत करने को तैयार होता है तो कार्रवाई की जाएगी, अगर कोई शिकायत नहीं होती तो उनके परिजनों को सूचना देकर उन्हें घर भेज दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम की हुई समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम के तहत दिनांक 01.09.2024 को या उसके बाद स्वीकृत और वितरित किए गए होम लोन पर ईडब्ल्यूएस/एलआईजी और एमआईजी के पात्र लाभार्थियों को आवासों की खरीद/पुनर्खरीद /निर्माण के लिए सब्सिडी का लाभ देने हेतु परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण सीधी मिनी अग्रवाल के द्वारा सीधी जिले समस्त नगरीय निकायों, बैंक प्रमुख, एलडीएम यूनियन बैंक सीधी के साथ बैठक आयोजित की गई। योजना के तहत ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी श्रेणी के परिवार के लिए जिनकी वार्षिक आय क्रमश: 3 लाख, 6 लाख और 9 लाख है, इस घटक का लाभ उठाने के लिए पात्र होंगे। योजना के तहत ईडब्ल्यूएस एलआईजी एमआईजी लाभार्थी की पहचान करने के लिए आवेदक आय प्रमाण के रूप में प्रमाणित पत्र एफ्डिेविट प्रस्तुत करेगा। आयोजित बैठक में पीओ डूडा/सीएमओ सीधी मिनी अग्रवाल, एलडीएम सीधी ए बी चौधरी, सीएमओ चुरहट रामावतार पटेल, सीएमओ मझौली अमित सिंह, सीएमओ रामपुर नैकिन भईयालाल साकेत, उपयंत्री शशि कोरी, पीएम आवास योजना प्रभारी सीधी देवेंद्र पोर्ते, सिटी मिशन मैनेजर डूडा सीधी मनोज कुमार चौबे उपस्थित रहे।

शिवसेना ने गाय के लिए किया भंडारा

कांजी-हाउस में दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को खिलाया भोजन, दो दिन चला आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वार्ड नंबर 6 स्थित कांजी हाउस में शिवसेना और गोसेवकों ने एक अनोखा भंडारा रखा। सोमवार और मंगलवार को लगातार दो दिन तक चला यह भंडारा उन घायल और असहाय गोवंशों के लिए था, जो सड़क हादसों में चोटिल होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं।

शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों से रोटी और गुड़ बनाकर गायों को खिलाया। उन्होंने कहा कि यह सेवा सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाले अभियान की शुरुआत है। पांडे ने कहा, शास्त्रों में गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास बताया गया है, लेकिन आज उन्हें सड़कों पर घायल और भूखी-प्यासी हालत में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ भोजन कराना नहीं, बल्कि समाज में गाय की गरिमा को दोबारा स्थापित करना है।

समाजसेवियों ने भी दिया साथ: इस पहल में समाजसेवी प्रियंका शुक्ला ने भी अहम भूमिका निभाई। भंडारे के आयोजन से गोवंशों को पौष्टिक भोजन मिला और समाज को यह संदेश भी गया कि गोसेवा ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर शिवसेना के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

गांजे की खेती करने वाला गिरफ्तार, बाड़ी से मिला 8 फीट ऊंचा पेड़ जब्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के भमरहा गांव में पुलिस ने गांजे की खेती का पर्दाफाश किया है। मुखबिर से मिली पक्की सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव के एक व्यक्ति के घर पर छापा मारा, जहां बाड़ी से गांजे का एक बड़ा पेड़ बरामद किया गया। इसकी ऊंचाई लगभग 8 फीट और गांजे के फल का वजन करीब डेढ़ किलो बताया गया है। थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि यह कार्रवाई गुप्त सूचना के बाद की गई। पुलिस को जानकारी मिली थी कि राम बोध साहू नाम का व्यक्ति अपने घर के पीछे की बाड़ी में गांजे का पौधा उगा रहा है।

मौके पर पहुंचकर जब पुलिस ने जांच की तो अन्य पेड़ों के बीच छिपाकर उगाए गए इस पौधे को पहचानना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन गांजे की तेज गंध से उसकी पहचान हो गई। बताया गया है कि आरोपी ने अपनी बाड़ी में कई दूसरे पेड़ भी उगा रखे थे, जिससे गांजे के पेड़ को छिपाया जा सके। पुलिस ने पूरी सतर्कता से छानबीन की और गांजे के पेड़ को जब्त कर थाने लाया गया।

इसके बाद आरोपी के खिलाफ (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंसेज) एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह कोई नई घटना नहीं है।

शहडोल जिले में पहले भी गांजे की खेती के मामले सामने आ चुके हैं। कुछ महीने पहले गोहपारू थाना क्षेत्र में भी एक खेत से कई बड़े गांजे के पेड़ बरामद किए गए थे, जिनकी लंबाई भी करीब 8 फीट थी। पुलिस ने दो टूक कहा है कि गांजे की खेती पूरी तरह अवैध है और इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी के संपर्क में कोई गिरोह या बड़ा नेटवर्क तो नहीं है।

जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के सानिध्य में हर घर तिरंगा, तिरंगा यात्रा कार्यक्रम हेतु कई मंडलों की बैठकें सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज्ञातव्य है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व में सेना का शौर्य एवं पराक्रम तथा देशवासियों की एकजुटता के संकल्प में आपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर आगामी स्वतंत्रत दिवस के पावन अवसर पर हर घर तिरंगा, तिरंगा यात्रा अभियान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल जी के कुशल निर्देशन में पूरे मध्यप्रदेश में चलाया जा रहा है। जिसमें लोकप्रिय जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन में बनकुइंया मंडल की बैठक भाजपा कार्यालय अटल कुंज में सम्पन्न हुई। जहां पर बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमसब भाजपा के कार्यकर्ताओं को हर घर तिरंगा अभियान में कर्तव्यनिष्ठा से अपना योगदान व सहयोग प्रदान करना है। हमें घर घर जाके देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में लोगों को अवगत कराना है और हर घर में तिरंगा ध्वज लोगो देकर भारता माता के प्रति प्रेम को जागृत करना है। हम सब को तिरंगा अभियान को मिलकर सफल बनाना है। बैठक में बनकुइंया मंडल की वक्ता जिला उपध्यक्ष माया सिंह, दयानन्द तिवारी, मंडल अध्यक्ष शेषमणि पाण्डेय व मनीषचन्द्र शुक्ला जी उपस्थित रहे। इसी प्रकार आज दीनदयाल मंडल में वक्ता मनीषा पाठक, अटल मंडल में उमाशंकर पटेल, कुशाभाउ ठाकरे मंडल में शरद साहू वक्ता के रूप में बैठकें सम्पन्न हुई। तिरंगा यात्रा को लेकर 6 अगस्त को भी डभौरा में वक्ता कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह, जवा में रविराज विश्वकर्मा, अतरैला, सिरमौर व बैकुण्ठपुर में जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता वक्ता के रूप में रहेंगे, सेमरिया में मनीषचन्द्र शुक्ला, शाहपुर में सत्यप्रकाश पाण्डेय, त्योंथर में नरेन्द्र शर्मा, गढी में प्रशांत पाठक, रायपुर सोनौरी में अनिल तिवारी, मनगवां में रीतेश मिश्रा, रामपुर सर्किल में के के त्रिपाठी, लालगांव में संतोष तिवारी, देवास में विवेक गौतम, रीवा ग्रामीण में महेन्द्र तिवारी, गुढ में राजेश गुप्ता, गोविन्दगढ में ममता गुप्ता, रायपुर कर्चुलियान में अशोक सिंह गहरवार प्रमुख रूप में उपस्थित रहेंगें।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन भरे जा रहे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण ने जानकारी देकर बताया है कि आयुक्त पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण भोपाल द्वारा एमपी टास पोर्टल पर पिछड़ा वर्ग पो.मै. छात्रवृत्ति शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए नवीन आनलाइन आवेदन भरने हेतु 5 से 20 अगस्त तक के लिए पुन: ओपेन किया गया है।

मोदी का 'स्वदेशी' आह्वान

संपादकीय

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को 'स्वदेशी का प्रचारक' बनने का आह्वान किया है। अपने चुनाव क्षेत्र वाराणसी से यह आह्वान देश भर के लिए है कि सभी संकल्प लें और अपने घरों में स्वदेशी सामान ही लेकर आएं। प्रधानमंत्री मोदी को अचानक यह आह्वान क्यों करना पड़ा, जबकि संघ परिवार के लिए 'स्वदेशी' एक बुनियादी एजेंडा रहा है। आरएसएस का सहयोगी संगठन 'स्वदेशी जागरण मंच' दशकों से इस दिशा में प्रयासरत रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और कारोबार के मौजूदा दौर में कोई भी देश 'स्वदेशी' के भरोसे न तो आर्थिक विकास कर सकता है और न ही अस्तित्व की रक्षा कर सकता है। भारत आज एक खुली अर्थव्यवस्था वाला देश है और उदारीकरण, आर्थिक सुधारों का प्रणेता रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार को 'बंद अर्थव्यवस्था' के दौर में नहीं धकेला जा सकता। 'स्वदेशी' के सीधे मायने हैं कि आप विदेशी निवेश का प्रवाह बाधित कर रहे हैं। स्थिरता के माहौल को फिर से अस्थिर करना चाहते हैं। आत्मनिर्भर भारत के लिए 'स्वदेशी' एक जड़ स्थिति है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ थोपने के बाद प्रधानमंत्री की 'स्वदेशी' पर यह पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया है। 'मेक इन इंडिया' के प्रथम प्रोमोटर प्रधानमंत्री ही हैं। यह सिलसिला मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ माह बाद ही शुरू कर दिया गया था। दिसंबर, 2014 में उद्योग पर 'राष्ट्रीय कार्यशाला' के दौरान 'स्वदेशी' पर भी विमर्श किया गया था। बेशक आज भी विनिर्माण के क्षेत्र में इतना विकास और विस्तार नहीं हो पाया है कि वह देश के जीडीपी में 25 फीसदी का योगदान दे सके। हालांकि कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भारत ने 60 फीसदी टीकों की आपूर्ति जरूरतमंद देशों को की। यह टीका भारत की कंपनियों ने ही बनाया और विकसित किया है तथा उसका उत्पादन वैश्विक स्तर पर किया जा रहा है। भारत ने 102 'स्वदेशी वंदे भारत' ट्रेन का नेटवर्क भी खड़ा किया है।

आज भारतीय कंपनियां रक्षा उत्पादन में इतनी सक्रिय और व्यस्त हैं कि वे करीब 90 देशों को हथियारों की आपूर्ति कर रही हैं, लेकिन यह भी यथार्थ है कि हमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली विदेशों से ही खरीदने पड़ रहे हैं। अभी हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की 'दहलीज' पर ही खड़े हैं।

प्रशासन अब जूते नहीं पहनता

निर्मल असो

शिमला में उस दिन कमाल हो गया। लोग यह नहीं समझ पा रहे थे कि इसके लिए कुत्तों को शाबाशी दें या ये देखें कि आखिर इस शहर के कुत्तों में इतना साहस आता कहां से। अधिकांश आवारा हैं, इसलिए हर जगह मौजूद रहते हैं। उस दिन कुत्ते व्यस्त थे। वे शिमला की गलियों की तलाशी में जूते इकट्ठे कर रहे थे। वे काटते नहीं, लोगों को इतना भगाते हैं कि उनके जूते पीछे छूट जाते हैं। कुत्तों की नजर में इनसान के जूते सबसे अधिक खुलने वाली वस्तु हैं। कौन कितनी बार खोलता या चढ़ाता, इससे उसके व्यक्तित्व को आंका जा सकता है। कुत्ते अपना मूल्यांकन लोगों की हैसियत देखकर करते हैं। शिमला में प्रति व्यक्ति कुत्ते बढ़े हैं, लेकिन इसके साथ प्रति व्यक्ति जूते भी बढ़े हैं। कुत्ते यह अनुमान लगा रहे थे कि इस शहर में वे ज्यादा हैं या जूतों का अंबार। वे खोज कर ला रहे थे। कुछ माल रोड के जूते थे, कुछ मिडल बाजार के। कुछ काले, कुछ ब्राउन और कुछ सफेद भी। कुत्तों को हर कालोनी में मिले, लेकिन एक सचिवालय ही ऐसा एरिया था, जहां न कुत्ते मिले और न ही जूते। यह देखकर साहब का कुत्ता हैरान था कि आखिर सचिवालय के पास लोगों के खुले हुए जूते मिलते क्यों नहीं। वह अक्सर माल रोड पर बैठे आवारा कुत्तों को देखकर अपनी प्रजाति पर गर्व करता, लेकिन सचिवालय के आसपास उसे अपने विलुप्त होने की आशंका होती। जिस सचिवालय के पास वह जनता को भागते देखता, वहां आखिर उनके जूते खुलते क्यों नहीं। एक दिन उसने साहब की आंखों में धूल झोंककर एक साथ जूते और अन्य कुत्ते खोजने शुरू किए। उसे पास की झाड़ी में नए जूते मिल गए। सोचा यह किसी ने जरूर छुपाए होंगे, वरना इतने साफ सुथरे न होते। कुत्ता सोचने लगा चुपचाप उठाकर साहब को दे दूंगा। उसने जूते उठाए ही थे कि सचिवालय के पहरेदार ने कुत्ते को जूतों सहित पकड़ लिया। उसे संदेह यह था कि उसके क्षेत्र में कुत्ते और जूते अगर कहीं एक साथ बढ़ गए, तो दोनों ही प्रहार करेंगे।

उधर प्रदेश की अनुशासन समिति के वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय के भीतर मीटिंग में यह तय कर रहे थे कि कम से कम वीआईपी मोमेंट के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि न क्षेत्र में कुत्ते और न ही जूते दिखाई दें। अब विवाद में विमर्श यह था कि शिमला के वीआईपी महत्व में कुत्तों को कहां भेजा जाए और जूते कैसे छुपाए जाएं। एक सुझाव यह आया कि शहर के बाशिंदों को नंगे पांव चलने की हिदायत दे दी जाए। किसी ने कहा, 'शिमला में जूतों की बिक्री पर रोक लगा देते हैं।' तीसरे ने कहा, 'ये कुत्तों की वजह से जूते दिखाई दे रहे हैं, वरना आज तक किसी ने जूतों से विरोध नहीं किया।' अनुशासन समिति एकमत थी कि वह कुत्तों को अनुशासित कर लेगी, बल्कि शिमला में आइंदा किसी भी तरह का कुत्ता नजर नहीं आएगा, लेकिन वीआईपी मोमेंट देख रही समिति कुत्तों के बजाय जूतों से राजधानी को मुक्त करना चाहती थी।

सरकार को सचिवालय से शुरुआत करनी थी। सचिवालय में मौजूद नौकरशाहों ने उदाहरण पेश करते हुए मीटिंग में ही अपने-अपने जूते उतार दिए। अब नीतिगत फैसला हो चुका था कि न कोई सरकारी अधिकारी, न कर्मचारी जूते पहन कर शिमला में दिखाई देगा। अब प्रशासन जनता से जूते छीनने की तरकीब सोच रहा था ताकि गुस्से में भी लोगों के हाथ में कोई जूता न आ सके। मीटिंग के बाद जैसे ही वरिष्ठ अधिकारी रिलैक्स हुए, पहरेदार उनके ही कुत्ते और उसके द्वारा खोजे गए जूतों सहित हाजिर हुआ। वरिष्ठ अधिकारी पहचान चुका था कि यह तो उसका पालतू कुत्ता है, लेकिन चमकदार जूते देखकर वह चाहकर भी हाथ में नहीं उठा सका। सरकार की वफादारी में उसने अपने पालतू कुत्ते को पहचानने से इंकार करते हुए रिपोर्ट दी कि उसके द्वारा लाए गए जूते आपदा के हैं। अब प्रशासन आपदाग्रस्त इलाकों में बचाव के दौरान आवारा कुत्तों के साथ-साथ जूते भी हटाने लगा था।

ट्रंप की टैरिफ लैकमेलिंग!.. अमेरिका को ही न भारी पड़ जाए

लोकमित्र गौतम

गुलाम समझने की मानसिकता -दुर्भाग्य देखिए कि भारत और अमेरिका के संबंधों के लिए यह कड़वाहटभरी खबर तब आती है, जब दोनों देशों के विज्ञान संगठन, इसरो और नासा ऐतिहासिक साझेदारी के चलते दुनिया का अब तक का सबसे ताकतवर सैटेलाइट 'निसार' लांच कर रहे हैं। 12 हजार 500 करोड़ की लागत का अब तक सबसे महंगा और पावरफुल आब्जर्वेशन सैटेलाइट नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार अर्थात निसार हर 97 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगा लेगा और 12 दिनों में धरती में 1171 चक्कर लगाकर यह पृथ्वी का एक एक इंच का सटीक नक्शा उपलब्ध कराएगा। यह भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों की सबसे महान और विश्वसनीय दोस्ती का नतीजा है। लेकिन जिस दिन यह दोस्ती परवान चढ़ रही थी, उसी दिन डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ ब्लैकमेलिंग का हम पर हंटर चला दिया और साबित कर दिया कि वे हमें झूठमूठ का अपना दोस्त कहते रहते हों, लेकिन उनके मन में दबी इच्छा है कि भारत, अमरीका का पिछलग्गू बनकर रहे।

इसलिए जब बार-बार उनकी चेतावनियों का हम पर कोई असर नहीं पड़ा। हमने रूस से तेल और हथियार खरीदे, तब उन्होंने बड़ी निर्लज्जता से इसे हमारा अपराध बताकर 10 प्रतिशत टैक्स ठोक दिया। जबकि आजादी के बाद से ही भारत अपनी निरगुट नीति के लिए जाना जाता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जब दुनिया साफ-साफ दो खेमों में बंट गई थी, तब भी हमने अपनी नॉन अलाइनमेंट की इस नीति को बरकरार रखा और किसी भी खेमे के अंध अनुयायी नहीं बने, लेकिन ट्रंप चाहते हैं कि जो कभी नहीं हुआ वो हो जाए। इसलिए सारी राजनीतिक और कूटनीतिक शर्मोहया या प्रोटोकॉल को धता बताते हुए वो हम पर इस तरह चाबुक चलाने की कोशिश कर रहे हैं जैसे हम कोई संप्रभु देश न हों, अपितु अमरीका के गुलाम हों।

जो लोग सोचते हैं कि ये महज व्यापार घाटे और भारत के उपभोक्ता बाजार तक अमरीका की अपनी पहुंच बनाने की रणनीति है, वह धोखे में हैं। दरअसल, अमरीका चाहता है कि भारत उसके लिए अपने कृषि उत्पादों, डेयरी प्रोडक्ट और नट बाजार पूरी तरह से खोल दे। इससे अमेरिका हमारे यहां अपने इन उत्पादों को डंप कर दे, क्योंकि अमरीका में ये उत्पादन उन्नत बायोटेक्निक और किसी तरह के सांस्कृतिक पक्षों की परवाह न करते हुए तैयार होते हैं और इतनी बड़ी मात्रा में तैयार होते हैं कि एक क्या दस अमरीका भी खुद अपने बाजार में उन्हें नहीं खपा सकते। जबकि भारत की आबादी 145 करोड़ से ज्यादा है, इस संख्या और उपभोक्ता बाजार का लालच ट्रंप नहीं छोड़ पा रहे और चाहते हैं कि भारत अपनी सभी तरह की सांस्कृतिक मान्यताओं को एक तरफ करते हुए उससे निरंकुश कृषि और डेयरी उत्पादों को अपने बाजार में खपा दे।

मोदी-मित्रता की फजीहत!

इसके लिए ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में भी भारत पर बहुत ज्यादा दबाब डालने की कोशिश की थी। यहां तक कि इसके लिए अमेरिका ने भारत से विशेष व्यापार दर्जा 2019 में छीन लिया था। इसके कारण कुछ भारतीय उत्पाद जो पहले अमेरिका में टैक्स मुक्त हुआ करते थे, वो काफी महंगे हो गए, लेकिन अमेरिका की इस ब्लैकमेलिंग और दादागीरी के बावजूद, भारत में अपना कृषि बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए नहीं खोला।

दरसअल, भारत में कृषि भले हमारे सकल घरेलू उत्पाद में अभी 17 से 18 फीसदी की ही भूमिका निभाती हो, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत में कृषि कोई व्यापार या जीविकाभर नहीं है, बल्कि यह हमारी जीवन संस्कृति है। देश के 50 फीसदी से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन आज भी कृषि है। ऐसे में भला हम मशीनी तकनीक से अपार अमरीकी कृषि उपजों के लिए अपना बाजार वैससे खोल दें? भारत में गाय को माता मानते हैं। हमारे पवित्र कर्मकांडों में दूध का इस्तेमाल होता है। पवित्र पेय के रूप में और अमरीका में पशुओं को अधिक से अधिक दुधारू बनाने के लिए उन्हें एनिमल डाइट तक दी जाती है। ऐसे में अमेरिकी डेयरी उत्पादों को धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन जीने वाले आम भारतीय कैसे अपना लेंगे? क्योंकि अमेरिकी डेयरी प्रोडक्ट नॉन वेजीटेबल श्रेणी में आते हैं और जबकि हम व्रत उपवास में भोग पर भी दूध, दही का इस्तेमाल करते हैं तो सवाल सिर्फ व्यापार का ही नहीं, बल्कि हमारी जीवन संस्कृति का भी है। ऐसे में हम महज राजनीतिक दबाव में आकर अपने मूल्यों से सांस्कृतिक समझौता कैसे कर लें? यह बात श्रीमान ट्रंप को समझ में नहीं आ रही है। दरअसल, अमरीका सोचता है कि वह दुनिया का बॉस है, जो अमेरिका के साथ नहीं है, वह उसके खिलाफ है।

ट्रंप खुद भारत को पिछलग्गू मानने की बातें कई बार कर चुके हैं। 2019 में भी उन्होंने कहा था, 'भारत हमसे छूट ले रहा है।' 2020 में उन्होंने एक बार कहा था, 'मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन मैं बराबरी का व्यापार चाहता हूं यानी दोस्ती के नाम पर वो हम पर व्यापारिक दबाव डाल रहे हैं।' ट्रंप भारत से सैन्य रणनीति और आर्थिक समर्थन तो चाहते हैं, लेकिन हमें किसी तरह की कोई बराबरी का दर्जा दिए बिना। ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति पर जीतकर आए हैं और वह इसे हम पर दबाव डालकर अमेरिकी नागरिकों को दिखाना चाहते हैं कि वो कितने बड़े और मजबूत नेता हैं। 'मोदी मेरा दोस्त' कहकर वो हम पर दबाव डालते हुए अपने नागरिकों के सामने ज्यादा अमेरिकी साबित होना चाहते हैं। यह संदेश देकर कि वह राष्ट्रहित को हितों से ऊपर रखते हैं। लेकिन यही बात जब हम कहते हैं कि हमारे लिए सबसे पहले हमारे निजी हित हैं तो उन्हें मिर्ची लग जाती है। जब भारत क्वॉड का हिस्सा होते हुए भी रूस से रक्षा समझौते करता है, ईरान और रूस से तेल खरीदता है तो ट्रंप तिलमिला जाते हैं।

फेल चतुर बनियागीरी! लेकिन जब हम कहते हैं कि हमें हथियार तो बेचो, पर तकनीक भी दो तो सबसे चतुर बनिए की तरह मुकर जाते हैं। 30 जुलाई को इसरो के सैटेलाइट व्हीकल से नासा और इसरो के साझे रणनीतिक सहयोग वाले सैटेलाइट को भेजा गया। उसे भेजने के लिए भारत 20 साल इसलिए पिछड़ गया, क्योंकि अमरीका ने हामी भरकर भी हमें क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। चूंकि हमने उसकी बात न मान करके पोखरण परीक्षण भी किया था। कुल मिलाकर अमरीका अपनी शर्तों पर हमें अपना पिछलग्गू बनाना चाहता है और इसे दोस्ती का नाम देता है, लेकिन 21वीं सदी का भारत इसके लिए कभी तैयार नहीं होगा। अमेरिका जिस तरह की टैरिफ ब्लैकमेलिंग कर रहा है, उसका असर हमसे ज्यादा अमरीका पर भारी पड़ सकता है। क्योंकि भारत में हाल के सालों में अपने कई व्यापार सहयोगी खोज लिए हैं, लेकिन अमरीका को हमारा असहयोग बहुत भारी पड़ेगा। हम 145 करोड़ का देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जीवंत उपभोगक्ता बाजार है। हम मैन्युपैसक्करिंग, डिजिटल टेक्नोलॉजी, फार्मा और सर्विस सेक्टर की वैकल्पिक शक्ति है। रक्षा, सेमी कंडक्टर और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी हमारे वैकल्पिक साझेदार हैं। अगर अमेरिका नहीं तो यूरोप, रूस, मिडल ईस्ट और एशिया ब्लॉक हमारे सहयोग के लिए खुले हुए हैं, जबकि अमरीकी बाजार सैचुरेशन का शिकार है। अमरीकी जनसंख्या वृद्धि दर रुकी हुई है और ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इन सबको देखते हुए कहीं ऐसा न हो कि यह टैरिफ ब्लैकमेलिंग अमेरिका को ही भारी पड़ जाए।

अपराधियों के हौसले बढ़ाती डिजिटल तकनीक

राजस्थान के जोधपुर जिले के मीडिया इन्फ्लुएंसर को अपराधियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए 20 लाख रु. की मांग पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दो कथित अपराधियों को पकड़ा है। मीडिया इन्फ्लुएंसर और उसकी कामेडियन पत्नी को उनके अश्लील वीडिया वायरल करने की धमकी दी गई। खैर यह तो इन्होंने हिम्मत दिखाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी अन्यथा देश दुनिया में इस तरह की धमकियां देकर डरा-धमकाकर वसूली करने के अपराधों की बाढ़ से आ गई है। दरअसल डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामलें में जमानत देने से इंकार करते हुए सख्त टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपालोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी। दरअसल डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में भी बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। मजे की बात यह है कि डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते होते बचे हैं।

ग्रामीण विकास के लिए स्वरोजगार बढ़ाओ

हालांकि सरकार ने परंपरागत व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन ठीक कार्यान्वयन नहीं हो रहा है... जनसंख्या बढ़ जाने के साथ ही हमारे देश एवं प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशुपालन एवं बागबानी आदि का कार्य कम होने तथा पारंपरिक व्यवसाय बंद होने से ग्रामीण स्तर पर रोजगार कम हुए हैं। ग्रामीणों ने भी अब पहले की तरह कड़ी मशक्कत करनी भी छोड़ दी है। इससे उनमें गर्मी व सर्दी सहन करने की भी क्षमता कम हुई है।

रामलाल पाठक

नतीजतन उन्हें कई बीमारियां भी घेरने लगी हैं। कृषि से सम्बन्धित कार्य के लिए ट्रैक्टर व अन्य आधुनिक मशीनों के उपयोग में आने से भी पारंपरिक व्यवसाय न के बराबर रह गए हैं। यदि कहीं ऐसे छिटपुट व्यवसाय चल भी रहे हैं, तो यह घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। जिस काम को पहले चार लोग चार दिनों में पूरा करते थे, अब मशीनों से उस काम को कुछ ही समय में पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही मशीनों से होने वाला काम या उत्पाद सस्ता भी पड़ जाता है, जबकि हाथ से बनाए उत्पाद को बड़ी मुश्किल से औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। कई बार तो ऐसे कारीगरों को काफी घाटा भी उठाना पड़ता है। ग्रामीण स्तर पर लघु एवं कुटीर उद्योगों में भी भारी कमी आई है। इससे लोगों के पास काम-धंधा न होने से भी बेरोजगारी बढ़ी है।

हालांकि सरकार ऐसे उद्योगों के पुनरुत्थान के लिए सम्बन्धित लोगों को वित्तीय मदद भी दे रही है, लेकिन लोगों को ऐसा रोजगार चाहिए जिसमें प्रति माह निर्धारित धनराशि मिले, ताकि आसानी से वे अपना और अपने परिवार का गुजारा कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े उद्योग स्थापित न होने से युवा वर्ग रोजगार की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन कर रहा है। सारा सामाजिक ढांचा नगरों-महानगरों के आसपास बिखर गया है। किसानों द्वारा खेतीबाड़ी का काम कम करने या छोड़ देने से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर उपजाऊ भूमि बंजर होने के कगार पर पहुंच गई है। उस भूमि में बड़ी मात्रा में जहरीली घास फैल गई है। इससे पर्यवरण प्रदूषण फैल रहा है तथा पशुचारे की भी कमी हो गई है। इसके चलते पशुपालकों ने अपने पशु भी नगर-कस्बों की ओर धकेल दिए हैं। पहले गांव में जब व्यापक स्तर पर कृषि का काम होता था तो उसके साथ और भी कई पारंपरिक व्यवसाय थे। किसान अपनी उपज से ही उनका मेहनताना चुकाते थे। नकद पैसे का लेन-देन बहुत ही कम था। ऐसा भी कहा जाता है कि सरकार की कुछ कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कम ही दिखाई दे रही हैं।

यह भी सच्चाई है कि कुछ लोगों के ढुलमुल रवैये के चलते कृषि एवं पशुपालन के व्यवसाय में बेहद कमी आई है। एक समय था जब किसान अपनी उपज से अपने परिवार के साथ ही अन्य पारंपरिक व्यवसाय करने वालों के परिवार का भी पेट पालता था। लोहार लोहे या लकड़ी के औजार व अन्य उपकरण बनाते थे। कारीगर बांस की टोकरियां, अनाज रखने वाली बड़ी-बड़ी पेडियां व अन्य छोटी-मोटी वस्तुएं बनाते थे। खड्डों-नालों के किनारे घराट चलाने वाले, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, जूते बनाने या उनकी मरम्मत करने वाले, बाल काटने वाले तथा ऊनी कपड़े बुनने वाले आदि व्यवसाय से जुड़े लोग अब गांव में कहीं ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। लोगों को रोजी रोटी की तलाश में कहीं दूर जाना पड़ता है। अपने घर का खर्च चलाने के लिए उन्हें नकद पैसे की भी जरूरत होती है। पहले ऐसे व्यवसाय करने वालों की काफी कदर होती थी। किसान हर फसल आने पर उन्हें काम के मुताबिक अनाज देते थे। इससे उनका गुजारा चला रहता था। ये सब किसानों की जरूरतों को पूरा किया करते थे।

लोग अनाज बेच कर रोजमर्रा का सामान खरीद लिया करते थे। लेकिन अब लोगों की दौड़ पैसे के लिए हो गई है। हम जो खा-पी रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए तरह-तरह की बीमारियां बढना भी स्वाभाविक ही है। हालांकि सरकार ने परंपरागत व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं। यह तभी संभव हो पाएगा, यदि कृषि के क्षेत्र का उत्थान होगा, क्योंकि यह सब व्यवसाय कृषि से ही जुड़े हैं। कृषि के साथ ही पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का ही रह गया है। हालांकि अब कृषि कार्य ट्रैक्टर व अन्य मशीनों से हो रहा है। फिर भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां अभी भी बैलों से ही खेती की जाती है। ऐसे किसानों को बैल पालने के लिए प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है। जबकि दुग्ध उत्पादकों को दूध का घर द्वार उचित मूल्य मिलना चाहिए। यदि पशुपालकों को उचित व नकद प्रोत्साहन मिले तो कोई भी अपने पशु कस्बों या शहरों में नहीं छोड़ेंगे। इससे बेसहारा पशुओं की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। हालांकि सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सरकार सब्सिडी देती है।

ऐसी योजनाएं कितनी कामयाब होती हैं, यह तो सर्वविदित ही है। व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए सरकारों ने विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं। बाद में यह कहकर मामला खत्म कर दिया जाता है कि जिस कार्य के लिए ऋण लिया था, वह काम ही नहीं चल पाया। इसलिए उसे बंद कर दिया है। ग्रामीण स्तर पर तैनात कर्मचारियों की कमी से भी कृषि की विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन समय पर नहीं हो पाता। इसकी औपचारिकताएं भी काफी जटिल होती हैं। काफी भागदौड़ करनी पड़ती है। इसलिए वे ऐसी योजनाओं के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। यदि सरकार कृषि व्यवसाय के उत्थान का प्राथमिकता के आधार पर हल निकाले, तभी बेरोजगारी भी कम होगी तथा दिनोंदिन बढ़ती महंगाई पर भी अंकुश लगेगा। इसके लिए नई योजनाएं बनाएं तथा उन्हें ईमानदारी से लागू कराएं। गांवों में सेवाओं का परस्पर आदान-प्रदान होता है। गांव को परिवार के ऊपर वाली इकाई माना जाता है। परिवार के स्तर पर भी कार्य विभाजन होता है, लेकिन गांव स्तर पर उससे भी बड़ा कार्य विभाजन होता है। कोई जूतों की रिपेयर करता है, कोई बाल काटने का व्यवसाय करता है, कोई मिट्टी के बर्तन बनाता है, कोई पशुपालन करता है, कोई कृषि कार्य करता है, कोई ऊनी वस्त्र बनाने का काम करता है, तो कोई अन्य सेवाओं की आपूर्ति करता है। इस तरह गांव को आत्मनिर्भर इकाई माना जाता है। आत्मनिर्भर गांव के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायतों को मजबूत करने की भी कोशिश होनी चाहिए। पंचायतों के आर्थिक संसाधन बढ़ाकर वे गांवों के समुचित विकास में योगदान कर सकती हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बना सकती हैं।

कलेक्टर समेत कई अधिकारी साइकिल से पहुंचे दफ्तर

ढाई किलोमीटर की दूरी 23 मिनट में की पूरी; हर मंगलवार होगा साइकल डे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद के आह्वान पर कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस समेत कई अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस अभियान में एसडीएम सिटी राहुल सलाडिया और तहसीलदार रघुराज नगर सौरभ मिश्रा भी शामिल हुए। कलेक्टर ने अपने बंगले से संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन तक की ढाई किलोमीटर की दूरी 23 मिनट में पूरी की। संभागीय आयुक्त ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की है कि वे हर मंगलवार को %साइकल डे% के तहत स्वेच्छा से कार्यालय आने के लिए साइकिल का उपयोग करें।

गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में कमी आने से वायु प्रदूषण घटेगा: इस पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कर्मचारियों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना है। इससे निजी और शासकीय पेट्रोल/डीजल वाहनों के उपयोग में कमी आएगी। यह व्यक्तिगत आर्थिक बचत के साथ राष्ट्रीय संसाधनों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगा। गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में कमी आने से वायु प्रदूषण घटेगा। इससे शहर का पर्यावरण ज्यादा स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक होगा। साइकिल चलाना एक बेहतरीन व्यायाम है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

सार्वजनिक परिवहन या ई-स्कूटी से आ सकती हैं महिला अधिकारी-कर्मचारी: क्षेत्र में दौरे के लिए पूल गाड़ी की व्यवस्था की सलाह दी गई है। इसमें दो-तीन अधिकारी समन्वय कर एक ही गाड़ी का उपयोग कर सकते हैं। इससे योजनाओं का निरीक्षण बेहतर होगा और विभागीय समन्वय से समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा। महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विकल्प दिया गया है। वे सार्वजनिक परिवहन या अपनी ई-स्कूटी से कार्यालय आ सकती हैं।

ये पहल पूरी तरह स्वैच्छिक है: यह पहल पूरी तरह स्वैच्छिक है। आयुक्त रीवा संभाग ने सभी से अपील की है कि वे इसमें सक्रिय भागीदारी निभाकर इसे सफल बनाएं। यह न केवल एक संस्थागत उत्तरदायित्व है बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति नैतिक जिम्मेदारी भी है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने जब्त की 6 लाख की गाड़ी, घटना में इस्तेमाल दो बाइक बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उचेहरा थाना क्षेत्र के बड़खुरा से एक महीने पहले चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 6 लाख रुपए कीमत का ट्रैक्टर-ट्रॉली और वारदात में इस्तेमाल की गई 1 लाख 25 हजार रुपए की दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं।

टीआई सतीश मिश्रा ने बताया कि राजभान पिता मनसुख लाल सिंगरौल ने 6 जुलाई की रात को ट्रॉली समेत ट्रैक्टर (एमपी 19 एडी 2621) को अहरी में खड़ा किया था। अगली सुबह जब वो वहां पहुंचा तो गाड़ी गायब थी। काफी तलाश के बाद भी ट्रैक्टर-ट्रॉली का पता नहीं चला। इसके बाद उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया: लगभग एक महीने की खोजबीन के बाद मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। सोमवार की सुबह कोलगवां थाना क्षेत्र में गहरानाला के पास दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान अतुल कुशवाहा (23), मोहित कुशवाहा (24), शुभम सिंह (20), आशीष सिंह (20) और अक्षय उर्फ कनक विश्वकर्मा (19) के रूप में हुई है।

एक महीने तक छिपाकर रखी थी गाड़ी: सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने वाहन चोरी करने के बाद एक महीने तक छिपाए रखा था। वे मौका देखकर इसे बेचने की योजना बना रहे थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। जब्त वाहन की कीमत 6 लाख रुपए आंकी गई है।

महिलाओं के कार्यस्थल पर आंतरिक समिति गठित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने हेतु लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) अधिनियम, 2013 एवं नियम 2013 में यह प्रावधान किया गया है कि ऐसे शासकीय, अशासकीय कार्यालयों, संस्थाओं, संगठनों, उत्पादन, विक्रय, वितरण सेवा केन्द्र, मनोरंजन, शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थानों, नर्सिंग होम, अस्पताल आदि जहां पर 10 या 10 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत है। उन सभी स्थानों पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) के विरूद्ध शिकायत हेतु आंतरिक समितियों का गठन किया जाना अनिवार्य है। आंतरिक परिवाद समिति नहीं होने पर 50 हजार रूपये के जुर्माने से दण्डनीय होगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजीव सिंह द्वारा बताया गया कि जिले के समस्त शासकीय एवं निजी कार्यालयों में आंतरिक समिति का गठन कर कार्यालय प्रमुख, नियोजक अधिनियम को लागू करने के लिए सुनिश्चित करें। समिति का स्वरूप किसी कार्य स्थल का प्रत्येक नियोजक आंतरिक समिति का गठन करेगा। जिसके सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। आंतरिक परिवाद समिति सदस्यों से मिलकर बनेगी।

उतैली में घर पर पेट्रोल बम फेंका, आधी रात को हुआ धमाका

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के कोलगवां थाना अंतर्गत उतैली में रविवार रात एक घर के अंदर अज्ञात बदमाश ने पेट्रोल बम फेंक दिया। घटना रात करीब 11:30 बजे की है, जब नारायण तालाब के पास रहने वाले लल्लू पांडेय अपने परिवार के साथ खाना खाकर सोने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान बाउंड्री के अंदर किसी ने बाहर से पेट्रोल बम फेंका, जिससे तेज धमाका हुआ।

धमाके से परिवार में मची भगदड़: धमाके की आवाज सुनते ही लल्लू पांडेय और उनके परिजन घर से बाहर भागे, लेकिन उन्हें वहां कोई नजर नहीं आया। गेट के पास कांच की बोतल के टुकड़े पड़े मिले, जिससे अंदाजा लगाया गया कि पेट्रोल बम का इस्तेमाल किया गया था। घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में आ गया।

डायल 100 पर दी सूचना, थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट: घटना के तुरंत बाद परिवार ने डायल 100 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सोमवार सुबह थाने में पहुंचकर उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीसीटीवी में भागता दिखा एक युवक: पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक संदिग्ध युवक भागते हुए नजर आया है। हालांकि, घटना के वक्त बारिश और अंधेरा होने के कारण वीडियो में स्पष्ट पहचान नहीं हो पा रही है। पुलिस फुटेज के आधार पर जांच कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

मोबाइल कोर्ट ने 12 वाहनों का चालान काटा, बिना बीमा, रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस वालों से वसूला 32,500 रुपए

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मंगलवार सुबह विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी उदयाजीत कुंवर राव ने मोबाइल कोर्ट लगाकर यह कार्रवाई की।

नगर के बायपास स्थित केजेएस सीमेंट फैक्ट्री तिराहा और इंडियन कैफे हाउस के सामने, मैहर-कटनी और मैहर-रीवा रोड पर यह अभियान चलाया गया। इस दौरान बस, ट्रक, ऑटो, लोडिंग वाहन और अन्य भारी वाहनों की सघन जांच की गई।

वाहन चेकिंग में कई बड़े छोटे वाहन रोककर उनके बीमा, रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, सीट बेल्ट और परमिट की जांच की गई। दस्तावेज अपूर्ण पाए जाने पर संबंधित 12 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। वहीं कई वाहन मालिकों को समझाइश दे कर छोड़ा गया इस कार्रवाई में कुल 32,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। अचानक हुई इस सघन जांच से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

रेलवे स्टेशन क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कार्रवाई के दौरान कोतवाली थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी, आरक्षक प्रकाश सिंह समेत पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

सतना के आयुष जल्द फिल्म में नजर आएंगे, मोना की मनमोहक कहानी में निभाएंगे फोरेंसिक फोटोग्राफर का किरदार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। फोटोग्राफर आयुष श्रीवास्तव जल्द ही फिल्म मोना की मनमोहक कहानी में दर्शकों को नजर आएंगे। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज के लिए तैयार है।

फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। आयुष इस फिल्म में पुलिस के एक फोरेंसिक फोटोग्राफर की अहम भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार कहानी के रहस्य और थ्रिल को गहराई देने का काम करता है। आयुष की गंभीर और विश्लेषणात्मक भूमिका फिल्म की कहानी में एक नया मोड़ लाती है।

भाभी जी घर पर है सीरियल में कर रहे काम: फिल्म में अभिनेता अंकुर नायर और टीवी की चर्चित अभिनेत्री सृष्टि रोड़े मुख्य किरदारों में हैं। दोनों के बीच की केमिस्ट्री और रोमांचकारी घटनाएं फिल्म को खास बनाती हैं। आयुष इस फिल्म में अभिनय करने से पहले से ही फेमस सीरियल भाभी जी घर पर है में फोटोग्राफी एवं वीडियो बनाने का काम कर रहे हैं।

मैदा से लदे ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान; लाखों का माल जलकर राख

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह लगभग 3 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। कृष्णगढ़ बंधा के पास मैदा से लदा एक ट्रक अचानक आग की चपेट में आ गया। ट्रक सतना के सितपुरा से जबलपुर की ओर जा रहा था।

चालक ने कूदकर बचाई जान: रास्ते में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रक में भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के दौरान ट्रक में मौजूद चालक और अन्य सहायक कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। इससे एक बड़ी जनहानि टल गई। आस पास मौजूद लोगों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रक से ऊंची लपटें उठने लगीं। वाहन धू-धू कर जलने लगा। देखते ही देखते ट्रक पूरी तरह राख में तब्दील हो गया।स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। सुबह 5 बजे दमकल की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

2 लाख का माल जलकर खाक: इस हादसे में कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। लेकिन ट्रक और उसमें लदा लाखों रुपये का मैदा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को ही आग का कारण माना जा रहा है।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता-स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग चलाये अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश में ''हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता-स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग'' अभियान तीन चरणों में चलाया जायेगा। शासन के निर्देशानुसार सतना जिले में भी यह अभियान संचालित होगा। प्रथम चरण में 2 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चायें आयोजित की जाएंगी। साथ ही तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन आदि गतिविधियां संचालित होगी।

अभियान के द्वितीय चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे की दृश्यता के लिये कार्य किये जायेंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा केसर्ट, तिरंगा बाइक, तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे। अभियान के तृतीय चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों तथा वाहनों पर तिरंगा लगाने, सेल्फी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जायेगा। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम किये जायेंगे। केन्द्रीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से चलने वाले इस अभियान की परिकल्पना सामूहिक उत्सव और नागरिक एकता की भावना पर आधारित है, जिसमें स्वतंत्रता के सार को स्वच्छता और सुजलता के संकल्प के साथ जोड़ा गया है। इस प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित जल आपूर्ति, प्रभावी जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को बल मिलेगा।

पुलिस ने किया अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही अंजना सिंह का स्वागत, प्रबोधिनी अभियान में किशोरियों से साझा किए अपने विचार

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। किशोरियों की सुरक्षा और उनके भटकाव को रोकने के लिए प्रबोधिनी अभियान के तहत सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देशन में अक्टूबर 2024 में शुरू हुए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों में आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा और नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाना है। अभियान के तहत जिले के कई स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

कार्यक्रम विशेष अतिथि अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही अंजना सिंह का स्वागत किया गया। अंजना ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुश फतह कर देश का नाम रोशन किया है। वे पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी अभियान की भी सक्रिय सहभागी रही हैं।

एसपी अग्रवाल ने अंजना सिंह को शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एएसपी डॉ. चंचल नागर, समस्त थाना प्रभारी, महिला अधिकारीगण, कई स्कूलों की छात्राएं, शिक्षकगण और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अंजना ने विचार किए साझा

अंजना सिंह ने छात्राओं को आत्मविश्वास, लक्ष्य निर्धारण और आत्मरक्षा के महत्व पर प्रेरक विचार साझा किए। पुलिस अधिकारियों ने बालिकाओं से संवाद करते हुए उन्हें सतर्क रहने, कानूनी जानकारी रखने और साइबर अपराधों से सावधान रहने की सलाह दी।

भविष्य में अभियान से जुड़ी छात्राओं का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। इसके माध्यम से उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। साथ ही वे अन्य किशोरियों तक भी यह संदेश पहुंचा सकेंगी। प्रबोधिनी अब एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले रहा है जो जिले की किशोरियों को सुरक्षित और सशक्त भविष्य देने की दिशा में कार्य कर रहा है।

महाकाल मंदिर के गर्भगृह में पहुंचे कथावाचक पुंडरीक, मंदिर प्रशासन ने कहा- संत होने के नाते अनुमति दी, आम लोगों का प्रवेश है प्रतिबंधित

उज्जैन, एजेंसी। सावन महीने के दूसरे सोमवार को विधायक गोलू शुक्ला और उनके बेटे रुद्राक्ष के गर्भगृह में प्रवेश का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि चौथे सोमवार को एक बार फिर महाकाल मंदिर के गर्भगृह के नियम टूटे है। इस बार कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर दर्शन और पूजन किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। इस मामले में मंदिर प्रशासन का कहना है कि पुंडरीक गोस्वामी को संत होने के नाते नियमानुसार गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

आम श्रद्धालुओं के लिए गर्भगृह में प्रवेश है प्रतिबंधित: महाकाल मंदिर के गर्भगृह में आम श्रद्धालुओं का प्रवेश पहले से ही प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई बार वीआईपी श्रेणी में शामिल न होने वाले व्यक्तियों को भी बिना अनुमति गर्भगृह में प्रवेश दे दिया जाता है। सोमवार, 4 अगस्त को श्रावण मास का अंतिम सोमवार होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ थी। इसी दिन सुबह करीब 8:30 बजे पुंडरीक गोस्वामी ने दो अन्य लोगों के साथ गर्भगृह में प्रवेश कर पूजा की।

वीडियो भी आया सामने: सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पुंडरीक गोस्वामी गर्भगृह में दो अन्य लोगों के साथ पूजन करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कुछ महिलाएं और मंदिर के कर्मचारी भी गर्भगृह के भीतर मौजूद दिख रहे हैं।कांच फूट गए।स्कूल प्रबंधन द्वारा हादसे से जुड़े साक्ष्य छुपाने की कोशिश की। बस को तत्काल को मौके से हटवाकर स्कूल परिसर में खड़े करवा दिया गया था। आरटीओ, देहात थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंची। जहां बस नहीं मिली। बिजली खंबा तिरछा और पेड़ क्षतिग्रस्त मिला। बस स्कूल परिसर में खड़ी मिली। जिसे पुलिस ने थाने भिजवाया है। रटी नंबर प्लेट लागू होने के बावजूद सामान्य नम्बर प्लेट ही लगी मिली। हालांकि आरटीओ रिंकू शर्मा का कहना है कि बस के दस्तावेज देखे, जिसमें फिटनेस, परमिट मिला। 16 साल पुरानी बसें है। इसका मेरे आने के पहले फिटनेश दिया गया था। फिटनेस के दौरान क्या चीजें थी, और वर्तमान में कौन सी चीजें नहीं मिली। बाकी जानकारी निकलवा रहे है। अब सवाल उठ रहा है कि पुंडरीक गोस्वामी को किस आधार पर प्रवेश की अनुमति दी गई और क्या उनके पास कोई लिखित अनुमति थी? इस पर मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक का कहना है कि पुंडरीक गोस्वामी एक संत हैं, इस नाते उन्हें गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

पहले भी हो चुका है विवाद: करीब दो साल पहले भी ऐसा ही विवाद तब सामने आया था, जब कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने उज्जैन में कथा के दौरान गर्भगृह में प्रवेश कर पूजन किया था। उस समय भी लोगों ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए थे कि प्रदीप मिश्रा ना तो महामंडलेश्वर हैं और ना ही किसी सरकारी प्रोटोकॉल के तहत आते हैं, जिन्हें गर्भगृह में प्रवेश मिलना चाहिए था। तब भी श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के नियमों का उल्लंघन करते हुए उन्हें गर्भगृह में प्रवेश दे दिया गया था। उस मामले में भी प्रशासन ने गोलमोल जवाब देकर मामले को शांत करने की कोशिश की थी।

शादी से मना किया तो कुल्हाड़ी से कर दी हत्या, नाबालिग से छेड़छाड़ करता था आरोपी; दो दिन पहले जान से मारने धमकाया था

जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर में एक युवक ने 17 साल की लड़की की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। नाबालिग मंगलवार सुबह करीब 4 बजे घर से बाहर निकला थी। पास ही छिपा हुआ आरोपी आया और उसने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। नाबालिग की चीख सुनकर माता-पिता पहुंचे तो वह खून से लथपथ पड़ी थी। आरोपी फरार हो चुका था। अस्पताल पहुंचाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना पाटन क्षेत्र के ग्राम सकरा की है। नाबालिग सरकारी स्कूल में 11वीं में पढ़ रही थी। गांव का ही रहने वाला 22 साल राकेश कुमार प्राइवेट जॉब करता है। जानकारी के मुताबिक वह छात्रा से छेड़छाड़ करता था। उसे शादी के लिए दबाव बना रहा था। नाबालिग ने मना कर दिया था। उसने पुलिस में शिकायत करने की बात भी की थी। दो दिन पहले भी राकेश ने यही हरकत की थी। लड़की ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया कि शादी नहीं करेगी तो जान से मार देगा। इसके बाद लड़की स्कूल चली गई।

बदला लेने के लिए की हत्या : पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लड़की के परिजनों की शिकायत पर राकेश के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शुरुआती जांच में पाया है कि छेड़खानी का विरोध करने पर लड़की और राकेश के बीच कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। उसी का बदला लेने के लिए उसने इस वारदात को अंजाम दिया है। नाबालिग के परिवार में उसकी छोटी बहन और माता-पिता हैं। पिता किसान हैं।

आरोपी की तलाश कर रही पुलिस : एसडीओपी लोकेश डाबर ने बताया, घटना नाबालिग के घर से बाहर निकलने पर हुई। राकेश घर के पास ही छिपकर बैठा था। अचानक ही उसने कुल्हाड़ी से दो से तीन वार नाबालिग पर किए और फिर वहां से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

कॉलेज की नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, घुमाने का बोलकर कार से ले गया युवक, होटल में धमकी देकर किया रेप

सागर, एजेंसी। सागर शहर के एक प्राइवेट कॉलेज की 17 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी युवक उसे घुमाने के बहाने कार से बाहर ले गया और होटल में ले जाकर जबरदस्ती गलत काम किया। पीड़िता के शिकायत करने पर पुलिस ने आरोपी राम के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद आरोपी कई बार पीड़िता से जबरन संबंध बनाता रहा। पुलिस के मुताबिक बीना क्षेत्र निवासी 17 वर्षीय छात्रा शहर के एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। वहीं उसकी एक सहेली बनी, जिसकी दोस्ती के जरिए राम नाम के युवक से मुलाकात हुई। आपसी पहचान बढ़ी और दोस्ती हो गई।

कार में बिठाकर होटल ले गया: 11 फरवरी को राम कॉलेज पहुंचा और बोला कि चलो घुमाने ले चलता हूं। वह छात्रा को बहला-फुसलाकर कार में बैठाकर बंडा इलाके के एक होटल ले गया। वहां डरा-धमकाकर उसके साथ जबरदस्ती की।

धमकी देकर किया दुष्कर्म: पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने किसी को घटना बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण वह चुप रही। इसके बाद भी आरोपी ने कई बार धमकाकर शारीरिक संबंध बनाए।

वन विभाग की कार्रवाई, अवैध सागौन परिवहन के दौरान 2 आरोपी गिरफ्तार; वाहन और लकड़ी जब्त

रायसेन, एजेंसी। जिले में वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जैथारी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत, ग्राम शालावर्स में मुखबिर की सूचना पर एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप (एमपी13जीए6019) को पकड़ा। पिकअप में सागौन की लकड़ी के 19 नग भरे हुए थे।

2 आरोपी गिरफ्तार एक फरार: पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि ये लकड़ी जंगल से अवैध रूप से काटकर लाई गई थी। मौके से वन विभाग ने पिकअप, एक बाइक और 19 नग सागौन की लकड़ी जब्त की है। आरोपी इराश खां समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक आरोपी फरार हो गया।

आरोपी के घर से भी 28 नग सागौन लकड़ी बरामद: इसके बाद फरार आरोपी पप्पू खां (सलीम), निवासी खमरिया, तहसील सिलवानी के घर पर सर्च वारंट लेकर तलाशी ली गई। उसके नवनिर्मित मकान से सागौन चिरान के 28 नग बरामद किए गए। वन विभाग ने कुल सागौन के 47 नग जब्त किए।

रास्ते में बाइक छीनकर भाग निकले आरोपी: कार्रवाई के दौरान, जब वन अमला जब्त बाइक को शालाबरू से जैथारी रेंज कार्यालय ला रहा था, तभी पप्पू खां अपने दो साथियों के साथ मिलकर बाइक छीनकर फरार हो गया। इस मामले में थाना सिलवानी में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

14 लाख की ज्वेलरी चोरी का खुलासा: खरगोन का अकलीम निकला मास्टरमाइंड, आरोपी पर पहले से लूट-चोरी के 14 केस

खरगोन, एजेंसी । खरगोन पुलिस ने एक शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह लंबे समय से वारदातों को अंजाम दे रहा था। इस गिरोह में तीन लोग शामिल थे, और उनके पास से पुलिस ने करीब 14 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

गिरोह का मास्टरमाइंड खरगोन का भैय्यू निकला : इस गिरोह का सरगना अकलीम उर्फ भैय्यू है, जो खरगोन के संजयनगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ पहले से चोरी और लूट के 14 केस दर्ज है। पुलिस को भैय्यू कई बार चकमा दे चुका है।

ऐसे पकड़ाए चोरों का गिरोह : 29 जुलाई की रात सनावद की कासम कॉलोनी में चोरी की एक वारदात हुई। चोरों ने घर का दरवाजा तोड़ा और अलमारी में रखे जेवर और नगदी चुरा ली। मामले की शिकायत मिलने के बाद एसपी धर्मराज मीणा के निर्देश पर पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और मुखबिरों से जानकारी ली। एक जगह सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्धों की पहचान हुई और अकलीम का नाम सामने आया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में अकलीम ने चोरी की बात कबूल की। इसके बाद उसने बताया कि जेवरात गोगांवा के अमीन उर्फ लखन के जरिए बेचे गए थे।

एक आरोपी ने गला दिए जेवर : अमीन से पूछताछ करने पर पता चला कि कुछ जेवर उसके ससुराल गोगावा में हैं। वहीं, दो कंगन और दो हार बड़वानी के पलसूद इलाके में मोबीन नामक व्यक्ति को बेचे गए थे। हैरानी की बात यह है कि मोबीन ने कुछ जेवरात गला भी दिए थे। हालांकि, पुलिस ने समय रहते करीब 14 लाख रुपए के जेवर बरामद कर लिए। चोरों के गिरोह का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम को 5000 रुपए का इनाम विभाग ने दिया।

भाजपा नेत्री नाजिया इलाही बोलीं- सनातन ही सत्य है, लव जिहाद को गजवा ए हिंद की स्ट्रेटजी बताया दो युवकों ने अपनाया हिंदू धर्म

खंडवा, एजेंसी। सोमवार को सिंधी समाज की महिलाओं द्वारा निकाली गई कांवड़ यात्रा में पश्चिम बंगाल भाजपा प्रवक्ता और सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता नाजिया इलाही खान ने भाग लिया। उन्होंने खुद भी कांवड़ उठाई और महादेवगढ़ मंदिर तक पहुंचीं। नाजिया इलाही ने कहा कि मैं जब मंदिर आई तो मुझे शिवशक्ति कहा गया, सम्मान मिला। जबकि सपा सांसद डिंपल यादव जब साड़ी पहनकर मस्जिद गई थीं तो मौलानाओं ने इस्लामिक नियमों के नाम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। मेरे समाज के मौलाना, मौलवी कभी इतनी इज्जत नहीं दे सकते।

दो मुस्लिम युवकों ने अपनाया सनातन धर्म: कांवड़ यात्रा के बाद महादेवगढ़ मंदिर में दो मुस्लिम युवकों ने सनातन धर्म अपनाया। नाजिया इलाही की मौजूदगी में महादेवगढ़ के पुजारी अश्विन खेड़े ने विधिपूर्वक धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी कराई। इनमें एक युवक रेहान शेख अब रोहन बन गया है, जबकि दूसरा समीर मंसूरी अब शंकर के नाम से जाना जाएगा।

सनातन ही सत्य, गजवा-ए-हिंद एक साजिश: नाजिया इलाही ने कहा कि ये दोनों युवक स्वेच्छा से और कानूनी प्रक्रिया पूरी करके सनातन धर्म में आए हैं। उन्होंने दावा किया कि देश में 'लव जिहाद' एक ट्रैप है और यह गजवा-ए-हिंद की स्ट्रैटजी का हिस्सा है, जो देश को तोड़ने की साजिश है। उन्होंने कहा, सनातन ही सत्य है, और यही धर्म आत्मसम्मान और सुरक्षा देता है।

मंदिर समिति का दावा- इस साल कई लोगों ने अपनाया सनातन धर्म: महादेवगढ़ मंदिर के प्रमुख अशोक पालीवाल ने बताया कि इस वर्ष की शुरुआत से अब तक कई लोग मंदिर में आकर सनातन धर्म अपना चुके हैं।

महाराणा प्रताप स्कूल की बस दुर्घटनाग्रस्त, स्टेयरिंग जाम होने से बस सड़क से उतरी; 10 से ज्यादा बच्चे घायल

नर्मदापुरम, एजेंसी। जिले के रोहना में मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे महाराणा प्रताप हायर सेकेंडरी स्कूल की बस सड़क हादसे का शिकार हो गई। चलती बस का स्टेयरिंग जाम हो गया, जिससे वह नर्मदापुरम-हरदा स्टेट हाईवे पर सड़क से नीचे उतर गई। बस में सवार 20 से अधिक बच्चों में से 5 विद्यार्थी को फैक्कर, 3 विद्यार्थी को सामान्य चोट और एक टीचर शिवानी चौरे को पैर में चोट आई।

दूसरी बस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया: हादसे के बाद बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। घायल बच्चों को तुरंत पास ही मौजूद दूसरी स्कूल बस की मदद से नर्मदापुरम के नर्मदा अस्पताल लाया गया। बस हादसा रोहना से करीब 2 किलोमीटर पहले हुआ। स्थानीय ग्रामीणों ने भी मौके पर पहुंचकर बच्चों की मदद की।

पुलिस और प्रशासन मौके पर: सूचना मिलने के बाद एसडीएम नीता कोरी, एसडीओपी जिनेंद्र पाठक, आरटीओ रिंकू शर्मा, बीईओ नीरजा उईके, बीआरसी सपना गोलानी अस्पताल पहुंची। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची है। अभी प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार सामने आ जाने से बस का संतुलन बिगड़ने की बात सामने आ रही है। हादसे की वजह की जांच कर रहे है। फिलहाल सभी घायल बच्चों की स्थिति सामान्य है। पूरी घटना की जांच की जा रही है।

8 विद्यार्थी और एक टीचर घायल: साहिल पटेल, अंशिका, कार्तिका, काशिक चौरे, रागिनी, आरुषि बरखने, एक टीचर समेत अन्य विद्यार्थी घायल हुए हैं। पेड़ बिजली के खम्बे से टकराने के बाद स्कूल बस का आगे का हिस्सा डेमेज हो गया।

शिवपुरी में पत्नी की हत्या करने वाले पति को उम्रकैद:चरित्र पर शक में कुल्हाड़ी से किया वार; छत से कूदकर भागा था आरोपी

शिवपुरी, एजेंसी। शिवपुरी में पत्नी के चरित्र पर शक के कारण कुल्हाड़ी से हत्या करने वाले आरोपी पति को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पर 1 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह फैसला पंचम अपर सत्र न्यायाधीश, जिला शिवपुरी ने लिया है। मामला शिवपुरी जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के शिकारीपुरा गांव का है। नेनसराय पुरानी निवासी आरोपी छोटू उर्फ धर्मसिंह (27) ?ने 11 अप्रैल 2023 को अपने ससुराल में पत्नी कलावती की गला रेतकर हत्या की थी। घटना के समय दोनों मकान की छत पर सो रहे थे।

पिता से कहा- पति ने कुल्हाड़ी से वार किया, हुई मौत : रात करीब 3 बजे कलावती की चीख सुनकर उसके पिता रमेश और भाई हीरा छत पर पहुंचे। घायल कलावती ने बताया कि उसके पति छोटू ने कुल्हाड़ी से उस पर वार किया है। वह छत से कूदकर नीचे भाग गया था। परिजन उसे तुरंत नीचे लाए। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आरोपी को आजीवन कारावास की सजा : घटना की सूचना पर गोपालपुर थाना प्रभारी कुसुम गोयल ने मौके पर पहुंचकर आरोपी पर मामला दर्ज किया। शासन की ओर से सहायक जिला अभियोजन अधिकारी शिवकांत कुलश्रेष्ठ ने अदालत में पक्ष रखा। उनके मजबूत हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी के पोते को कार चढ़ाई, मौत

रतलाम में घर से खेलते हुए बाहर आए मासूम को कुचला, नाबालिग चला रहा था गाड़ी

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में घर के बाहर खेल रहे डेढ़ साल के बच्चे को कार ने टक्कर मार दी। टक्कर से बच्चा बेसुध हो गया। परिजन प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कार नाबालिग चला रहा था। घटना शहर के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत सोमवार सुबह 10.45 बजे अलकापुरी क्षेत्र की है। मृतक का नाम ऋषिक (डेढ़ साल) पिता सचिन तिवारी है। उसके दादा पुलिस में थे, उनका पहले ही निधन हो चुका है।

बच्चा घर के अंदर खेल रहा था। खेलते हुए अचानक से घर के बाहर आया तभी शनि मंदिर की तरफ आई कार क्रमांक एमपी 43 ZK 9818 ने टक्कर मार दी। टक्कर से बच्चे के सिर में चोट आने से वह बेसुध हो गया। कार चालक ने कार रोकी। इसी दौरान घर के सदस्य व पड़ोसी भी आ गए। तुरंत बेटे को लेकर परिजन 80 फीट रोड स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। वहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया। जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया, लगभग एक सप्ताह पहले पीड़िता ने आरोपी से बात करना बंद कर दिया। तब वह उसका पता निकालकर घर पहुंच गया और मिलने की जिद की। परेशान होकर पीड़िता ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। फिर थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी राम के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

भाई के साथ खेल रहा था मासूम, दोनों जुड़वा: बच्चे का एक और जुड़वा भाई है। बड़ा भाई अभिक और वो घर के अंदर खेल रहे थे। कार से टकराने के कुछ देर पहले ऋषिक दादी की गोद में था। दादी के हाथ में पूजा की थाली होने के कारण उसे नीचे उतारा था। वह दौड़ता हुआ घर के बाहर निकला। इसी दौरान कार की टक्कर लग गई। बच्चे की मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चों के दादा रमेश तिवारी रिटायर्ड पुलिसकर्मी रहे उनका निधन हो गया। वह डीआईजी स्क्वाड के भी प्रभारी रह चुके थे।

नाबालिग चला रहा था कार: जिस कार से टक्कर हुई है वह 16 साल का नाबालिग चला रहा था। उदयप्रताप उसी क्षेत्र में किराये के मकान में रहकर पढ़ाई करता है। पिता सुरेंद्र प्रताप राठौर गांव से सुबह कार से बेटे से मिलने आए थे। तभी बेटे ने पिता से कहा कार से एक चक्कर लगाकर आता हूं। उसी दौरान गली में बच्चा कार की टक्कर से घायल हो गया।बता दें मार्गदर्शन और उपवनमंडलाधिकारी सिलवानी इंदर सिंह बारे के सहयोग से की गई थी।

डीएसपी अजय सारवान ने बताया प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नाबालिग कार लेकर एक राउंड लगाने के लिए घर से निकला था। अचानक बच्चा खेलते हुए बाहर आया। कार की चपेट में आने से उसकी दुखद मौत हो गई। अपराध दर्ज किया जा रहा है। नाबालिग के पिता को भी आरोपी बनाया जाएगा।

जूनियर महिला चैंपियनशिप में उत्तराखंड की धमाकेदार जीत, मध्यप्रदेश, हरियाणा ने दिखाया दम

काकीनाडा, एजेंसी।। हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के पांचवें दिन मंगलवार को डिवीजन बी की लीग स्टेज के अंतिम दो मुकाबले खेले गए, जहां उत्तराखंड और तमिलनाडु ने शानदार प्रदर्शन किया। दिन की शुरुआत में हुए पहले मुकाबले में हॉकी उत्तराखंड ने ले पुदुचेरी हॉकी को 11-0 से करारी शिकस्त दी। उत्तराखंड की ओर से आरती ने (32, 36, 44, 53) चार गोल दागे, रईन कहकशा अली (3, 36) और ज्योति महरा (49, 54) ने दो-दो गोल किए, जबकि अंकिता मिश्रा (50), पूजा कालूरा (9) और कप्तान सलोनी पिलखवाल (18) ने एक-एक गोल किया। दूसरे मुकाबले में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु और दिल्ली के बीच मुकाबला 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ। तमिलनाडु की ओर से कप्तान कविया वी (25, 44) ने दो गोल किए और मुमंजा आर (21) ने एक गोल किया। दिल्ली की ओर से निशा (33), दीपिका (54) और कप्तान सुभम (51) ने एक-एक गोल किया।

दिन के दूसरे भाग में डिवीजन 'ए' के पूल मुकाबले शुरू हुए, जिसमें हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी हरियाणा, हॉकी झारखंड, और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने अपने-अपने मैच जीतकर शानदार शुरुआत की। हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी चंडीगढ़ को 5-0 से हराया। टीम के लिए शर्मा कृष्णा (36, 45) ने दो गोल किए, जबकि काजल (29), आयुषी पटेल (50) और अन्नू (58) ने एक-एक गोल किया।

हॉकी हरियाणा ने हॉकी बंगाल को 7-1 से मात दी। हरियाणा की ओर से कीर्ति (38, 47, 56) ने हैट्रिक लगाई, काजल (10, 13) ने दो गोल किए, जबकि कप्तान खसा शशि (28) और पूजा मलिक (40) ने एक-एक गोल किया। बंगाल के लिए एकमात्र गोल लालपेकसांगी (44) ने किया।

दिन का तीसरा मुकाबला हॉकी झारखंड और हॉकी कर्नाटक के बीच खेला गया, जिसमें झारखंड ने 2-0 से जीत दर्ज की। मुकाबला पहले हाफ तक बराबरी पर था, लेकिन रोशनी ऐंड (44) ने तीसरे क्वार्टर के अंत में गोल कर बढ़त दिलाई, जिसे सरोज कुमारी (58) ने अंतिम मिनटों में और मजबूत कर दिया।

दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 3-1 से हराया। ओडिशा की ओर से सुरेखा बहाला (13), करुणा मिन्ज (21) और द्रुपति नायक (56) ने गोल किए, जबकि आंध्र प्रदेश की ओर से नेह?रिका टोप्पो (52) ने एकमात्र गोल किया।

सिराज बोले-मुझे भरोसा था कि जीत दिला सकता हूं, गिल ने कहा- प्रसिद्ध-सिराज की गेंदबाजी में कप्तानी आसान

लंदन, एजेंसी। भारत ने ओवल टेस्ट 6 रन से जीत लिया है। इसी के साथ इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल की। सोमवार को मिली इस जीत के हीरो मोहम्मद सिराज ने मैच के बाद कहा- आज सुबह जब मैं सोकर उठा तो मुझे भरोसा था कि जीत दिला सकता हूं। सिराज ने कहा-मैंने गूगल से एक फोटो डाउनलोड किया और उसे अपने वॉलपेपर पर लगाया कि मैं कर सकता हूं। 31 साल के तेज गेंदबाज सिराज कप्तान शुभमन गिल के साथ पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में आए और मीडिया से बातचीत की।

कोच गंभीर भारत की जीत के बाद इमोशनल नजर आए, बोर्ड ने ड्रेसिंग रूम का वीडियो शेयर किया

भारत ने इंग्लैंड को ओवल टेस्ट में 6 रन से हराकर सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। मोहम्मद सिराज ने गस एटकिंसन को जैसे ही क्लीन बोल्ड किया ड्रेसिंग रूम से लेकर स्टेडियम तक सभी झूम उठे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वो जमकर जश्न मनाते और इमोशनल दिख रहे हैं। गंभीर खुशी से झूम उठे और फिर हर सपोर्ट स्टाफ ने उन्हें गले लगा लिया।

खुशी से झूम उठे गंभीर : इंग्लैंड को अंत में 17 रन बनाने थे और सिर्फ 1 विकेट बचा था। वीडियो में साफ दिख रहा भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर हर शख्स अपनी कुर्सी छोड़कर खड़ा हो चुका था। ऐसे में जैसे ही मोहम्मद सिराज ने आखिरी विकेट लिया पूरा ड्रेसिंग रूम जश्न मनाने लगा। गौतम गंभीर चिल्लाने लगे। पूरे सपोर्ट स्टाफ ने उन्हें घेर लिया। बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने उन्हें गोदी में उठा लिया। इस दौरान वे इमोशनल नजर आए।

युवराज के पिता बोले-गिल की कप्तानी में मैच्योरिटी की क्लास:योगराज ने कहा-ओवल में जीत किसी जंग जैसी,

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने सोमवार को ओवल टेस्ट में इंग्लैंड टीम को हराकर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। टीम इंडिया के इस प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने शुभमन गिल की कप्तानी की जमकर तारीफ की है। योगराज सिंह सिक्सर किंग युवराज सिंह के पिता हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में आखिरी दिन 6 रन की रोमांचक जीत के बाद योगराज सिंह ने कहा कि पूरी सीरिज में गिल ने जो मेच्योरिटी दिखाई, उसे देखकर लगा ही नहीं कि वह पहली बार टीम की कमान संभाल रहे हैं। योगराज सिंह ने इसका श्रेय शुभमन गिल के पिता और अपने बेटे युवराज सिंह को दिया।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर गई टीम इंडिया का हर खिलाड़ी घायल होने के बावजूद डटा रहा। पंत भी चोट के बावजूद खेलने उतरे। यह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि जंग की जीत है। मैंने पहले भी कहा है कि टीम चयन के समय ÷अगर मगर÷ नहीं होना चाहिए। अब ऐसे सिलेक्टर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और कोच (गौतम गंभीर) हैं, जिनकी सोच बिल्कुल साफ और देशहित में है।

बेंगलुरु एफसी ने खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के भविष्य को लेकर जारी असमंजस के बीच बेंगलुरु एफसी ने अपने पहले टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ की सैलरी अनिश्चितकाल के लिए रोकने का फैसला किया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा,÷भारत में एक फुटबॉल क्लब चलाना चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है, जिसे हम हर सीज़न पूरी निष्ठा के साथ करते आए हैं। लेकिन लीग यह कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। हमारे खिलाड़ियों, स्टाफ और उनके परिवारों की भलाई हमारे लिए सर्वोपरि है और हम इस मसले के समाधान तक लगातार उनके संपर्क में हैं। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय उनके युवा कार्यक्रमों पर असर नहीं डालेगा, ÷हम खेल और अपने संचालन के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे युवा पुरुष और महिला टीमें, साथ ही बीएफसी सॉकर स्कूल्स इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे। हम अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) से अपील करते हैं कि इस गतिरोध को शीघ्र समाप्त करें। यह अस्थिरता किसी के हित में नहीं है और भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए त्वरित समाधान जरूरी है। गौरतलब है कि 11 जुलाई को आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल ने 2025ङ्ख26 सीज़न को ÷अस्थायी रूप से स्थगित÷ करने की घोषणा की थी, जिसके पीछे अनुबंध संबंधित समस्याएं बताई गई थीं। इसके अगले दिन एआईएफएफ ने कहा था कि वह लीग की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। जानकारी के अनुसार, एफएसडीएल और एआईएफएफ के बीच मौजूदा मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) 8 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यही समझौता लीग की संरचना, संचालन और व्यावसायिक ढांचे की नींव है। आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक खेले जाने वाली आईएसएल के संचालन और उससे जुड़ी हितधारकों को दीर्घकालिक स्पष्टता की आवश्यकता है।

इस बीच, एआईएफएफ ने गुरुवार को नई दिल्ली में आईएसएल की आठ क्लबों के सीईओ के साथ बैठक बुलायी है, जिसमें भारतीय फुटबॉल से जुड़े अहम मसलों पर चर्चा होगी।

मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम द हंड्रेड में बने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी, पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर संशय हुआ दूर

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तानी तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद आमिर और ऑलराउंडर इमाद वसीम ने द हंड्रेड 2025 सीज़न के लिए नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स से करार कर लिया है। यह करार उस समय हुआ है जब इस लीग में भारतीय निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के चलते पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल उठ रहे थे। इससे पहले इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह स्पष्ट किया था कि भारतीय या भारतीय-अमेरिकी निवेशकों के आने से पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने फरवरी में कहा था, हम अन्य क्षेत्रों में इस स्थिति से अवगत हैं, लेकिन यहां ऐसा नहीं होगा। मार्च में हुए ड्राफ्ट में एक भी पाकिस्तानी पुरुष खिलाड़ी के चयन नहीं होने पर संदेह गहराया था, लेकिन इसकी एक वजह पाकिस्तान की वेस्टइंडीज और यूएई में श्रृंखलाओं के चलते उनकी अनुपलब्धता भी मानी जा रही थी। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार अब आमिर और इमाद ने सुपरचार्जर्स के लिए रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर अनुबंध किया है। आमिर ऑस्ट्रेलिया के बेन द्वारशुईस की जगह पूरे टूर्नामेंट में खेलेंगे, जबकि इमाद वसीम केवल 7 से 10 अगस्त तक मिचेल सैंटनर की अनुपस्थिति में टीम का हिस्सा होंगे। गौरतलब है कि सुपरचार्जर्स के नए मालिक भारतीय मीडिया समूह सन ग्रुप होंगे, जो 1 अक्टूबर से संचालन संभालेंगे।

इस टीम में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी एक मेंटोरिंग रोल में नज़र आएंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं द हंड्रेड में खेलते हुए नहीं बल्कि टीम के साथ समय बिताते हुए दिखूंगा। मैं अपनी रिकवरी कर रहा हूं और इस दौरान टीम का हिस्सा रहूंगा।

इस सीज़न में इंग्लैंड के ज़्यादातर टेस्ट बल्लेबाज़ उपलब्ध रहेंगे, जबकि तेज़ गेंदबाज़ों को आराम दिया गया है।

हंड्रेड 2025 में रिप्लेसमेंट खिलाड़

लंदन स्पिरिट जॉन सिम्पसन और डैन डाउथवेट ने जेमी स्मिथ और ऑली पोप की जगह ली (5 अगस्त के मैच के लिए)

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स: मार्क चैपमैन ने रचिन रवींद्र (6-13 अगस्त) और फरहान अहमद ने मार्चट डि लैंगे की जगह ली अमुरुथा सुरेनकुमार ने एला मैककॉगन की जगह ली नॉर्दर्न सुपरचार्जसः इमाद वसीम ने मिचेल सैंटनर (7-10 अगस्त) और मोहम्मद आमिर ने बेन द्वारशुईस की जगह ली।

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस लिया, बिना तैयारी के यूएस ओपन में उतरेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने आगामी यूएस ओपन से पहले एक और झटका दिया है। उन्होंने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और अब बिना किसी हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट की तैयारी के सीधे यूएस ओपन में उतरेंगे।

जोकोविच ने आखिरी बार 11 जुलाई को विंबलडन सेमीफाइनल में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें यानिक सिनर के हाथों सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले से दो दिन पहले जोकोविच को क्वार्टरफाइनल के अंतिम गेम में एक भयावह और अजीब तरीके से गिरते देखा गया था, जिससे उनकी बाईं जांघ पर असर पड़ा। सेमीफाइनल में वह पूरी तरह से फिट नजर नहीं आए और उन्हें कोर्ट पर अपनी गति में कठिनाई हो रही थी। मैच के दौरान उन्होंने अपने ऊपरी बाएं पैर का उपचार भी करवाया था। सिनसिनाटी से पहले जोकोविच ने इस सप्ताह समाप्त हो रहे टोरंटो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था, जिसकी वजह उन्होंने कमर की मांसपेशियों (ग्रोइन इंजरी) में चोट को बताया था। विंबलडन से पहले उन्होंने फ्रेंच ओपन में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें फिर से यानिक सिनर के हाथों सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अब जोकोविच के पास यूएस ओपन से पहले किसी भी हार्ड कोर्ट मुकाबले का अभ्यास नहीं होगा। यूएस ओपन 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। जोकोविच इस टूर्नामेंट में अब तक चार बार चैंपियन बन चुके हैं, जिनमें आखिरी खिताब उन्होंने 2023 में जीता था।

ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी, बोले पहलवान अमन सहरावत, कहा- अब स्वर्ण की है तैयारी

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से अमन सहरावत के कंधों से काफी बोझ उतर गया है लेकिन इस युवा पहलवान का कहना है कि वह इस उपलब्धि को पहले ही भूल चुके हैं क्योंकि अतीत की उपलब्धियों पर बैठे रहने से वह अपने बड़े सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे। छोटी सी उम्र में अनाथ हो जाने के कारण बिरोहर में जन्मे इस पहलवान के लिए जिंदगी आसान नहीं रही। उनके चाचा ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन पारिवारिक ज़िम्मेदारियां अमन पर भारी पड़ती रहीं, लेकिन पिछले वर्ष पेरिस में कांस्य पदक जीतने से उन्हें पहचान और पैसा मिला, जिससे उनका जीवन आसान हो गया।

विश्व चैंपियनशिप के लिए 57 किग्रा चयन ट्रायल जीतने के बाद अमन ने कहा, ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी 90 फीसदी बदल दी। इससे पहले मुझे कोई नहीं जानता था। पहले मेरे प्रदर्शन पर गौर नहीं किया जाता था, लेकिन पेरिस की सफलता के बाद लोग मुझे जानने लगे, मेरा सम्मान करने लगे। मुझे लगा कि मैंने देश के लिए कुछ किया है और 10-15 साल की कड़ी मेहनत रंग लाई है।

उन्होंने कहा, ओलंपिक पदक भगवान का आशीर्वाद है। मुझे जीतने की उम्मीद भी नहीं थी। महिला पहलवानों से तो उम्मीदें ज़्यादा थीं। ये तो भगवान का दिया प्रसाद ही है। इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। लोग अब मुझसे स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे हैं। मैं अपने कांस्य पदक को पहले ही भूल चुका हूं। मैं इससे संतुष्ट होकर यह नहीं कह सकता कि मैंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। अब मैं स्वर्ण पदक के लिए तैयारी कर रहा हूं। शीर्ष स्तर पर सफलता ने किस प्रकार उनके जीवन को बदल दिया, इस बारे में उन्होंने कहा, अब मैं जो चाहूं खरीद सकता हूं। पहले मुझ पर दबाव था कि भविष्य में मुझे अपनी छोटी बहन को पढ़ाना है और उसकी शादी करनी है। अब मैं निश्चिंत होकर अभ्यास कर सकता हूं। अब मुझे पैसों की चिंता करने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं है कि हमारा ध्यान नहीं रखा गया। मेरे चाचा ने हमेशा हमारा साथ दिया है, लेकिन एक बड़े भाई की जिम्मेदारी क्या होती है इसके बारे में तो सभी सोचते हैं।

पेरिस ओलंपिक के बाद से अमन ने सिर्फ दो टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है। वह सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा, ओलंपिक के बाद, मैंने सोचा था कि मैं विदेश में अभ्यास करूंगा लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। फिर मैं चोटिल भी हो गया। ओलंपिक पदक जीतने के बाद हारने का डर भी मुझ पर हावी हो गया था। मैंने सोचा अगर मैं हार गया तो लोग कहेंगे कि सफलता ने मुझे बिगाड़ दिया है। इसलिए, कोचों ने कहा कि आप एक अलग स्तर पर हैं और मैट पर उतरने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

बस्तर संभाग के 130 स्वास्थ्य संस्थानों को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन

स्वास्थ्य मंत्री 5-7 अगस्त तक करेंगे बस्तर संभाग का दौरा कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लेंगे जायजा

नियद नेल्ला नार योजना से 6,816 हितग्राहियों को 8.22 करोड़ की स्वास्थ्य सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 1 जनवरी 2024 से 16 जून 2025 तक केवल बस्तर संभाग में ही कुल 130 स्वास्थ्य संस्थाओं को हक्क्स के अंतर्गत गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जिनमें 1 जिला अस्पताल, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 113 उप-स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 65 अन्य संस्थाओं का प्रमाणीकरण कार्य प्रक्रियाधीन है। खास बात यह है कि नक्सल प्रभावित जिलों—कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा—के 14 संस्थानों को भी गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड के कवरेज को भी गति दी जा रही है। योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग में मात्र एक वर्ष में ही 36,231 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। अब तक 52.6 प्रतिशत कवरेज हो चुका है, और 6,816 हितग्राहियों को 8 करोड़ 22 लाख रुपये की चिकित्सा सहायता का लाभ मिल चुका है।

इस सुगठित व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सरकार ने पिछले डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में 33 मेडिकल स्पेशलिस्ट, 117 मेडिकल ऑफिसर और 1 डेंटल सर्जन की नियुक्ति की है। इसके अतिरिक्त राज्य स्तर से 75 और जिला स्तर से 307 स्टाफ व प्रबंधकीय पदों पर भर्ती पूरी की गई है, जबकि 291 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। यह नियुक्तियाँ न केवल सेवाओं की पहुंच को सशक्त बना रही हैं, बल्कि गुणवत्ता और दक्षता में भी उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय और सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन और जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से अब बस्तर जैसे दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच में हैं। सरकार की जन-केंद्रित सोच, ठोस रणनीति और ज़मीनी स्तर पर समर्पित क्रियान्वयन से स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच अब वहां तक संभव हो रही है, जिसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में एक समय असंभव माना जाता था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर में स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर विस्तार और गुणवत्ता में सुधार पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि मितानिनों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और विभागीय कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता के कारण ही आज यह परिवर्तन संभव हुआ है। बस्तर के लिए हमारी सरकार का विशेष फोकस है और हम इसे निरंतर मजबूत करते रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी दी कि सरकार का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में समान रूप से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। बस्तर में चलाए जा रहे मलेरिया मुक्त अभियान के तहत घर-घर जाकर जांच, त्वरित उपचार और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मलेरिया के प्रसार को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अंतर्गत पूरे राज्य में, विशेषकर बस्तर क्षेत्र में, स्वास्थ्य संस्थानों ने अनुकरणीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं।

राज्य सरकार की यह स्पष्ट प्राथमिकता रही है कि नक्सल प्रभावित इलाकों—कांकेर, बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जैसे जिलों—में स्वास्थ्य सेवाओं का जमीनी विस्तार हो। आज इन अंचलों में भी लोग गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। यह परिवर्तन विष्णु देव साय के सुशासन और स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर उनके विशेष फोकस का प्रमाण है।

इन उपलब्धियों की गहराई से समीक्षा और ज़मीनी प्रगति के प्रत्यक्ष अवलोकन हेतु स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल 5 अगस्त से 7 अगस्त 2025 तक तीन दिवसीय बस्तर दौरे पर रहेंगे। उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी दल भी रहेगा। इस दौरान वे बस्तर संभाग के प्रमुख जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों का निरीक्षण करेंगे, स्वशासी समिति की बैठकें लेंगे, मलेरिया मुक्त अभियान की समीक्षा करेंगे तथा बीजापुर और सुकमा जैसे दूरस्थ जिलों के अंतिम छोर पर बसे गांवों में जाकर भी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति का मूल्यांकन करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हो रहा यह परिवर्तन सिद्ध करता है कि जब सरकार की नीयत स्पष्ट हो, योजना व्यावहारिक हो और सिस्टम में प्रतिबद्धता हो—तो किसी भी दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है। बस्तर अब पिछड़ेपन और असुविधा की छवि से निकलकर विकास और सशक्तिकरण की पहचान बन रहा है। स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषय में जो क्रांतिकारी बदलाव बस्तर में हो रहा है, वह पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

आधा दर्जन फ्लैट्स में चोरी करने वाले 2 अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी में फ्लैट्स को निशाना बनाकर आधा दर्जन से अधिक चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो अंतर्राज्यीय चोरों को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और चोरी के बाद फरार होते हुए अम्बिकापुर में पुलिस के हत्थे चढ़े।

एक जैसी वारदात, अलग-अलग थाने: चोरों ने थाना आमानाका, कबीर नगर, न्यू राजेन्द्र नगर समेत अन्य थाना क्षेत्रों में फ्लैटों के ताले तोड़कर लाखों की चोरी की थी। घटना के बाद तीन थानों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिनमें बीएनएस की धारा 331(3), 305(ए) लगाई गई है।

कैसे पकड़े गए आरोपी: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने एक विशेष टीम बनाई। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की सूचना के आधार पर आरोपियों को अम्बिकापुर से पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने फ्लैटों में घुसकर ताले तोड़ने और लाखों के जेवर व सामान चुराने की बात कबूल की। जप्त सामान सोने के जेवरात- 36 ग्राम, चांदी के जेवरात- 843 ग्राम, 9 हाथ घड़ियाँ, 1 iPhone, 3 मोबाइल फोन, कुल अनुमानित मूल्य- 6.20 लाख।

गिरफ्तार आरोपी: विनोद सन्नी गौर, उम्र 22 वर्ष, निवासी पुणे, महाराष्ट्र रेयान उर्फ अमन फैय्याज शेख, उम्र 20 वर्ष, निवासी कुरला वेस्ट, मुंबई

आगे की कार्रवाई: दोनों आरोपियों पर रायपुर के विभिन्न थानों में दर्ज मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस को इनसे जुड़े अन्य मामलों की भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनकी जांच की जा रही है। रायपुर पुलिस ने फ्लैट में रहने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा के उपाय सख्ती से अपनाएं, और यदि किसी संदिग्ध की गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

समय पर ऋण न चुकाने वालों पर होगी भू-राजस्व की तर्ज में सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित एमसीबी द्वारा संचालित राष्ट्रीय निगमों की योजनाओं के अंतर्गत अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सफाई कामगार वर्ग के हितग्राहियों को ट्रेक्टर-ट्रॉली, जीप-टैक्सी, पैसेन्जर वाहन, गुड्स कैरियर, स्वावलंबन दुकान सहित अन्य स्वरोजगार के लिए 30,000 से 5,00,000 लाख तक का ऋण मात्र 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर प्रदान किया गया है । समिति द्वारा बताया गया है कि ऋण वसूली के लिए कार्यालय से कई बार पत्राचार कर व्यक्तिगत रूप से हितग्राहियों के निवास तक सूचना भेजी गई, लेकिन कई ऋण धारकों द्वारा जानबूझकर ऋण अदायगी में रुचि नहीं दिखाई गई है। ऐसे सभी बकायेदारों को अंतिम चेतावनी देते हुए सूचित किया जाता है कि यदि वे शीघ्र ही ऋण की बकाया राशि जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, एमसीबी के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित द्वितीय तल, कक्ष क्रमांक 20 में जमा नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध भू-राजस्व की भांति कुर्की की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अपर कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं, जनदर्शन में 19 आवेदन हुए प्राप्त; गंभीरतापूर्वक निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे अपर कलेक्टर के समक्ष रखा। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनदर्शन में आवेदक तारा देवी निवासी नागपुर, नागपुर में बस स्टॉप पर गुण्डागर्दी एवं जबरन वसूली की शिकायत के संबंध में, अंजना श्रीवास निवासी बरौता , समस्त पालकगण निवासी डिहुली शिक्षक की कमी के संबंध में, मोहम्मद हबीब खान निवासी जनकपुर पार्षदों द्वारा दिये गये शिकायत के संबंध में, रघुनाथ पोद्दार निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में, कृष्ण कुमार कश्यप निवासी झगराखाण्ड़ मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नसबंदी ऑपरेशन असफल होने एवं प्रोत्साहन राशि के संबंध में, उजित नारायण सिंह निवासी रामगढ़ अतिक्रमण हटाने के संबंध में, फूलमनी निवासी सेंधा सीमांकन न करने के संबंध में, विकास सरकार निवासी गिद्धडांड नक्शा खसरा के संबंध में, समस्त ग्रामवासी निवासी डांडहसवाही पिछले कई वर्षो से दिए जा रहे आवेदन का सुनवाई न होने के संबंध में, कुबेर सिंह निवासी डांडहसवाही सचिव का स्थानांतरण किए जाने के संबंध में, अजय कुमार खोंगापानी नया पोल लगवाने के संबंध में, सत्या, सरिता, माया निवासी पेन्ड्री स्थगन आदेश को हटाने के संबंध में, मुकेश कुमार रौतिया निवासी खोंगापानी बिजली पोल क्षतिग्रस्त हो जाने के सूचना के संबंध में, कमला पाव निवासी सिरौली जाति प्रमाण पत्र फार्म पर पटवारी का हस्ताक्षर करवाने के संबंध में, मनीष सिंह निवासी खोंगापानी जल कनेक्शन उपलब्ध न होने के संबंध में एवं बीपीएल तथा एपीएल राशन कार्ड नहीं बनाने के कारण आम जनता को हो रही असुविधा के संबंध में, जगजीवन सिंह निवासी दुधांसी भूमि के संबंध में, सरपंच निवासी चैनपुर भूमि के संबंध में, अपनी शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे।

30 लाख की लूट में फरार आरोपी योगेश नाई राजस्थान से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में 30 लाख रुपये की बड़ी लूट की वारदात में फरार चल रहे एक और आरोपी को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम योगेश नाई है, जिसकी उम्र 20 वर्ष है और वह डुगरगढ़, जिला बीकानेर (राजस्थान) का रहने वाला है। आरोपी को 3 अगस्त को बीकानेर से गिरफ़्तार किया गया और 4 अगस्त को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

क्या है मामला: यह पूरा मामला 1 मई 2025 का है, जब प्रार्थी महावीर प्रसाद शर्मा ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, वह रात करीब 7:45 बजे समता कॉलोनी स्थित अपने घर लौट रहा था। तभी 4-5 अज्ञात युवकों ने रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट की और उसके पीठ पर लटका बैग लूट लिया। बैग में 30 लाख रुपये नगद रखे थे, जो लुटेरे लेकर फरार हो गए।

पुलिस ने दर्ज किया था मामला: मामले की गंभीरता को देखते हुए आजाद चौक थाना पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 111/2025 के तहत धारा 309(4), 61 BNS के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी और मुखबिर की सूचना के आधार पर लगातार कार्रवाई करते हुए पहले ही इस लूटकांड में शामिल चार आरोपियों को 14 मई 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपी भी डुगरगढ़, जिला बीकानेर, राजस्थान से गिरफ्तार किए गए थे। पूछताछ में इन सभी ने लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की थी और यह भी बताया था कि वारदात को सुनियोजित ढंग से अंजाम दिया गया था।

फरार था मुख्य आरोपी योगेश नाई: मामले का एक अन्य आरोपी योगेश नाई घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम लगातार बीकानेर और आसपास के क्षेत्रों में दबिश दे रही थी। अंततः 3 अगस्त को पुलिस को सफलता मिली और आरोपी योगेश को भी उसके पैतृक निवास डुगरगढ़ से धरदबोचा गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग कर रही मिष्ठान दुकानों में जांच की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। रक्षाबंधन का त्यौहार आ रहा है। बाजार की मिठाई दुकानों पर मिलावटी खोआ व दूध की बनी हुई मिठाई बिक रही हैं। साथ ही अंचल में भी मिलावटी व सिंथेटिक दूध से मावा व पनीर बनाने का काम तेज हो गया है। स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू की है और सैंपल ले रहा है। उल्लेखनीय है कि त्योहारी सीजन पर मिलावटी दूध तैयार करने व मिलावटी दूध से खोआ व अन्य खाद्य पदार्थों को तैयार करने का काम तेजी से शुरू हो जाता है, और अन्य दिनों की तुलना में मिलावटी खाद्य पदार्थ अधिक बनाए जाते हैं। इसलिए विभाग ने त्यौहार पर मिलावटी चीजों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान शुरू किया है। राज्य शासन एवं दीपक कुमार अग्रवाल (आई.ए.एस.) नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य जनित बीमारियों, संक्रमण की रोकथाम एवं जन-सामान्य को सुरक्षित खाद्य उपलब्ध कराए जाने हेतु विभाग प्रतिबद्ध है। स्ट्रीट फूड वेंडर्स, हैण्डलर, खाद्य सेवा प्रदायकर्ताओं से विशेषकर वर्षा ऋतु के दौरान खाद्य पदार्थों के सुरक्षित हैंडलिंग, खाद्य पदार्थ की स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, ताजे एवं स्वच्छ भोजन जन-सामान्य को परोसे जाने की अपेक्षा की जाती है।

जिले में अब तक 709.2 मि.मी. वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में जिले में औसत 0.0 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है, जबकि कोटाडोल तहसील में अब तक की सर्वाधिक 920.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से 4 अगस्त 2025 तक जिले में कुल औसत 709.2 मि.मी. वर्षा भू-अभिलेख शाखा द्वारा दर्ज की गई है, जो खरीफ फसलों की बोआई के लिए अनुकूल मानी जा रही है। भू-अभिलेख शाखा के अनुसार, तहसीलवार वर्षा की बात करें तो मनेंद्रगढ़ में 765.5 मि.मी., खड़गवां में 580.4 मि.मी., चिरमिरी में 660.2 मि.मी., केल्हारी में 558.1 मि.मी., भरतपुर में 770.9 मि.मी. और कोटाडोल में 920.1 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है।

विकास के व्यापक दृष्टिकोण के साथ सम्पन्न हुई जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक

जिले की विकास योजनाओं की सफलता और सामूहिक सहभागिता से ही संभव : जिला पंचायत अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की मनेंद्रगढ़ जनपद पंचायत के अमृत सदन सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक का आयोजन किया गया। जो कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने की जबकि उपाध्यक्ष राजेश साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिले की सभी प्रमुख विभागीय योजनाओं, जनहितकारी कार्यक्रमों एवं विकास कार्यों की गहन और व्यापक समीक्षा की गई ।

बैठक की शुरुआत स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से की गई जिसमें मातृ एवं शिशु संरक्षण (एमसीपी) कार्ड की पहली तिमाही के पंजीयन की स्थिति, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, पीपीआईयूसीडी, क्षय रोग और टीवी रोगियों की एक्स-रे सुविधा, स्कूली छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण, मोतियाबिंद उपचार, सिकलसेल रोग की जांच और उपचार, एनओएचपी डेंटल ओपीडी की उपलब्ध सेवाएं, आयुष्मान कार्ड वितरण और व्यय वंदन योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इसके पश्चात योजना एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विकासखंड मनेंद्रगढ़ और खड़गवां के ग्राम मझौली, जरौंधा एवं नारायणपुर में सांसद निधि से स्वीकृत कार्यों की स्थिति प्रस्तुत की गई साथ ही जिले के तीनों विकासखंडों मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर में विधायक निधि से अनुशंसित, स्वीकृत एवं अपूर्ण कार्यों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। जिसमें हैंडपंप उत्खनन, शेड निर्माण, नागपुर में 11 केवी बिजली पोल शिफ्टिंग कार्य जैसे कार्यों की समीक्षा की गई। वहीं बैठक में राशन वितरण प्रणाली की स्थिति, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही समस्याएं, भरतपुर क्षेत्र में यूरिया की कमी, सरस्वती स्कूल योजना, भूमिगत ट्रांसफार्मर की आवश्यकता, जर्जर हो चुके विद्यालय भवन, छात्रावासों की खराब स्थिति, क्रीड़ा परिसर के निर्माण एवं उपयोगिता, वन संसाधन प्रबंधन, सामुदायिक दावे एवं सामाजिक विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की गई । इसके साथ ही प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत स्वीकृत, अस्वीकृत एवं अपूर्ण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें नलजल योजना, बहुद्देशीय केंद्र निर्माण, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, छात्रावासों का संचालन, पक्के घरों का निर्माण, सड़क निर्माण, विद्युतीकरण, वन धन विकास केंद्र, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना, तथा मोबाइल टॉवर की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षात्मक चर्चा की गई, साथ ही सरगुजा विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत एवं अपूर्ण कार्यों की गंभीर समीक्षा की गई। इस में बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं जैसे पोषण ट्रैकर, आंगनबाड़ी संचालन, मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, किशोरी बालिकाओं हेतु पोषण आहार योजना, एवं महिला सशक्तिकरण की प्रगति को लेकर चर्चा किया गया। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले में संचालित विद्यालयों की भौतिक स्थिति, छात्र संख्या, अधोसंरचना, शिक्षकों की उपस्थिति, गुणवत्ता शिक्षा की स्थिति, डिजिटल लर्निंग के प्रयास एवं पुस्तक वितरण और स्कूलों में बस्तर सरगुजा की पारम्परिक संस्कृति की एक्टिविटी जैसी योजनाओं को लेकर चर्चा किया गया।

हर-घर तिरंगा कार्यक्रम में सभी उत्साह से भाग लें : राज्यपाल डेका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने सभी नागरिकों से हर घर तिरंगा कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेने की अपील की है। उन्होंने देश व प्रदेश के नागरिकों से आग्रह किया है कि अपने घरों में तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस को सम्मान व गर्व के साथ मनाएं। देश एवं प्रदेश में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर-घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन 2 से 15 अगस्त तक किया जा रहा है। राज्यपाल डेका ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल झण्डा फहराने की परंपरा नही है बल्कि हमारी राष्ट्र भक्ति, एकता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगे के साथ हमारा जुड़ाव, हमारे संविधान, संप्रभुता और गौरवशाली विरासत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद करते हुए उनसे प्रेरणा लें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा